वर्ष : 33 | अंक : 261 | पृष्ठ : 8 | मुंबई, शनिवार, 7 दिसंबर 2024 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

श्री. नागसेन कांबळे

महासचिव

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर महापरिनिर्वाण दिन समन्वय समिति (रजि.)

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज से महाराष्ट्र विधानसभा का विशेष सत्र

विधायकों को दिलाई जाएगी शपथ , कालिदास कोलंबकर बने प्रोटेम स्पीकर

अमित बृज । मुंबई

महाराष्ट्र की नई सरकार का तीन दिवसीय विशेष सत्र शनिवार से शुरू हो रहा है। यह सत्र सोमवार तक चलेगा। इस दौरान 15वीं विधानसभा के लिए हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में निर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। विशेष अधिवेशन के लिए विधानसभा के वरिष्ठ सदस्यों में शामिल बीजेपी विधायक कालिदास कोलंबकर को प्रोटेम स्पीकर (कार्यवाहक अध्यक्ष) नियुक्त किया गया है।

विधायकों के शपथ ग्रहण के बाद विधानसभा के स्थाई अध्यक्ष की नियुक्ति

बताया जा रहा है कि विधानसभा के स्थाई अध्यक्ष की नियुक्ति सोमवार को विधायकों के शपथ ग्रहण के बाद की जाएगी। 15 वीं विधानसभा के लिए 20 नवंबर 2024 को पूरे राज्य में एक ही चरण में मतदान हुआ था। 23 नवंबर को हुई मतगणना में जनादेश बीजेपी नीत महायुति के पक्ष में गया था। अकेले 132 सीटों पर रिकॉर्ड जीत दर्ज करनेवाली बीजेपी को 4 निर्दलीय विधायकों का समर्थन भी प्राप्त है, तो वहीं उसकी महायुति में शामिल शिवसेना (शिंदे गुट) को 57 तथा राकांपा अजीत पवार को 41 सीटों पर जीत मिली है।

प्रोटेम स्पीकर नियुक्त हुए कालीदास

इस तरह से लगभग 234 विधायकों के समर्थन से बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस ने बीते गुरुवार को भव्य समारोह में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके साथ पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और राकांपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत पवार ने उपमुख्यमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली थी। नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसी महीने के अंत तक नागपुर में होने वाले शीतकालीन अधिवेशन से पहले मुंबई में एक तीन दिवसीय विशेष सत्र के आयोजन की घोषणा गुरुवार को की थी। इसके लिए विधानमंडल सचिवालय की ओर से सभी कर्मचारियों को तैयारी के लिए उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। वहीं, कालिदास कोलंबकर को शुक्रवार को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया है।

रिकॉर्ड 9वीं बार जीते हैं कोलंबकर

कालिदास कोलंबकर बीजेपी के विधायक है। उन्हें बीजेपी सांसद व पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे का समर्थक माना जाता है। 2024 विधानसभा चुनाव में कोलंबकर वडाला विधानसभा सीट से चुनाव जीते हैं। वह इस क्षेत्र का करीब 45 वर्षों से प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। नौ बार विधानसभा चुनाव जीतकर विधायक बनने वाले कोलंबर को राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन ने राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में शुक्रवार को विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर के लिए पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस मौके पर राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एवं राज्य की मुख्य सचिव सुजाता सौनिक उपस्थित रहीं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 16 दिसंबर से पहले कैबिनेट के विस्तार किए जाने की बात कही।

11 या 12 दिसंबर को मंत्रिमंडल विस्तार संभव

देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार 11 या 12 दिसंबर को होने की संभावना है। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि पूरी संभावना है कि अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा वित्त विभाग और भाजपा गृह विभाग अपने पास रखेगी, जैसा कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली पिछली सरकार में था।

देश में खुलेंगे 85 केंद्रीय और 28 नवोदय विद्यालय

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट की शुक्रवार को बैठक हुई। इसमें तमाम फैसले लिए गए। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि देश में 85 नए केंद्रीय और 28 नए नवोदय विद्यालय खोले जाएंगे। ये विद्यालय उन जिलों खोले जाएंगे जिनको नवोदय विद्यालय योजना के तहत कवर नहीं किया गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि नई शिक्षा नीति को लागू करने के लिए पीएम श्री लाया गया। सभी केंद्रीय विद्यालयों और नवोदय विद्यालयों को पीएम श्री स्कूलों के रूप में नामित किया गया है। ताकि उन्हें मॉडल बनाया जा सके। इसके अलावा बैठक में हरियाणा से कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए दिल्ली मेट्रो के 26.46 किलोमीटर लंबे रिठाला-कुंडली कॉरिडोर को मंजूरी दी गई।

मराठवाड़ा में इस साल 822 किसानों ने की आत्महत्या

अमित बृज । छत्रपति संभाजीनगर

महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र के आठ जिलों में 2024 में अब तक 800 से अधिक किसानों ने आत्महत्या कर लिया है। जिनमें से 303 मामलों में मुआवजा दिया जा चुका है, जबकि 314 ऐसे मामले हैं, जिनका जांच लंबित है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। संभागीय आयुक्त कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई रिपोर्ट के अनुसार इस वर्ष जनवरी से अब तक मराठवाड़ा में 822 किसानों ने आत्महत्या की है, जिसमें बीड में सबसे अधिक 160 किसानों ने आत्महत्या की। रिपोर्ट में कहा गया है कि 822 मामलों में से 303 मामलों में 30 नवंबर तक कुल 3.03 करोड़ रुपए की सहायता दी गई है। वहीं, 314 मामलों में जांच लंबित है। रिपोर्ट के अनुसार, बीड के बाद मराठवाड़ा के नांदेड़ (146) में सबसे अधिक किसानों ने आत्महत्या की। उसके बाद धाराशिव (143), छत्रपति संभाजीनगर (132), जालना (76), लातूर (72), परभणी (64) और हिंगोली (29) किसानों ने आत्महत्या की।

संभागीय आयुक्त ने दी जानकारी

संभागीय आयुक्त दिलीप गावड़े ने बातचीत में बताया कि इन मामलों की जांच जिला स्तरीय समितियों द्वारा की जाती है और विधानसभा चुनावों के लिए 15 अक्टूबर से लागू आदर्श आचार संहिता के कारण इसमें कुछ देरी हुई। गावडे ने बताया कि हमने अधिकारियों को मामले की शीघ्र जांच करने का निर्देश दिया है।

किसानों की आत्महत्याएं चिंताजनक : बता दें कि महाराष्ट्र के मराठवाड़ा में किसानों की आत्महत्याएं एक चिंताजनक स्थिति है। लेकिन हाल में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में ये मुद्दा गायब नजर आया। किसानों की आय दोगुनी से लेकर उनके अच्छे दिन लाने के वादे तो हो रहे हैं। लेकिन चुनावों में कोई भी किसानों की खुदकुशी के पीछे की वजह जानने की कोशिश नहीं किया।

100 रुपए कमाना भी मुश्किल : मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, परभणी जिले के झोलापिपरी गांव के निवासी सुरेश नागरे ने बीते 26 अक्टूबर को कथित तौर पर आर्थिक हालातों और कर्ज से तंग आकर खुदकुशी कर ली थी। उनकी पत्नी ने बताया था कि हर रोज 100 रुपए प्रतिदिन कमाना भी मुश्किल हो गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल जनवरी से जून के बीच मराठवाड़ा में कम से कम 430 किसानों ने आत्महत्या की यानी हर दिन दो किसान फंदे पर झूल गए।

साइबर स्मार्ट बनिए!

प्रतिदिन साइबर सुरक्षा का पालन करें!

- साइबर अपराधी पब्लिक चार्जिंग स्टेशनों के माध्यम से आपका डेटा और व्यक्तिगत विवरण चुरा सकते हैं
- ऐसे में आपके बैंक खाते की निजी और महत्वपूर्ण जानकारी खतरे में पड़ सकती है
- यदि आपको अपना फ़ोन चार्ज करना ही है, तो केवल दीवार पर लगे सॉकेट का ही उपयोग करें

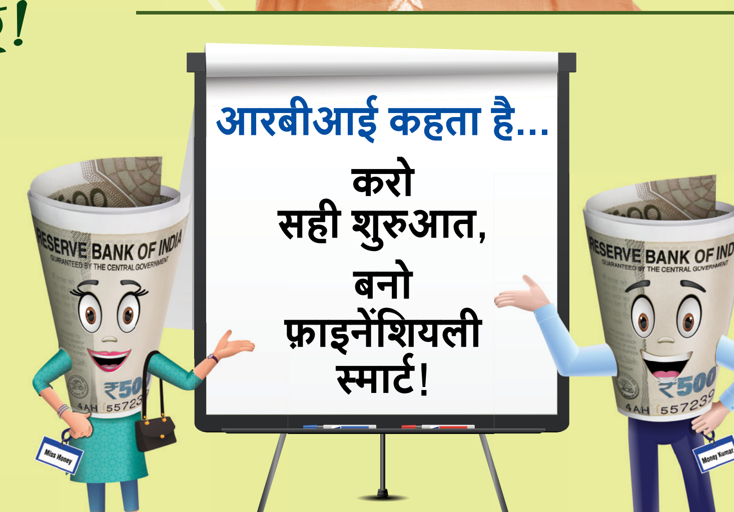

अधिक जानकारी के लिए, www.rbi.org.in पर जाएं
फ़ीडबैक देने के लिए, rbikehtahai@rbi.org.in को लिखें

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

मच्छरों के आतंक से शहरवासी परेशान

"मच्छरों के प्रकोप से नालासोपारा और वसई विरार के लोगों को काफी परेशानी हो रही है और उनके स्वास्थ्य को भी खतरा है। बहरहाल, तस्वीर से पता चलता है कि संबंधित ठेकेदार ने महानगर के फंड का घोल मा करके मच्छर नियंत्रण अभियान को सचमुच बर्बाद कर दिया है। ऐसे भ्रष्ट एवं गैरजिम्मेदार ठेकेदारों को तत्काल काली सूची में डाल कर उनके विरूद्ध कार्यवाही किया जाये।

–मनोज बारोट (भाजपा उपजिला अध्यक्ष)"

स्वास्थ्य महकमा बना अनजान

दवा का छिड़काव नहीं होने से मच्छरों की संख्या बढ़ी

नागरिकों ने आरोप लगाया है कि शहर में नियमित दवा का छिड़काव नहीं होने से मच्छरों की संख्या बढ़ती जा रही है। यह बेहद गंभीर मामला है कि महानगर पालिका शहर में दवा छिड़काव के लिए प्रतिदिन 9 लाख रुपए खर्च कर रही है, लेकिन मच्छरों का खात्मा नहीं हो रहा है। मनपा ने इस काम का ठेका ठेकेदार किरण कॉर्पोरेशन को दिया है। चालू वर्ष में यह ठेका 34 करोड़ रुपये का है, यानी दवा का छिड़काव करने के लिए पर प्रतिदिन का खर्च 9 लाख 32 हजार रुपये खर्च होने के बावजूद भी मच्छरों का खात्मा नहीं हो रहा हैं। इसमें कीटनाशक शुल्क 16 करोड़ 50 लाख 73 हजार, मैनपावर शुल्क 14 करोड़ 49 लाख 6 हजार और ईंधन लागत 3 करोड़ 2 लाख 34 हजार रुपए है। महा नगर पालिका छिड़काव पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है तो मच्छरों की समस्या कम क्यों नहीं हो रही? यह सवाल नागरिकों ने उठाया है। तस्वीर से पता चलता है कि संबंधित ठेकेदार ने मनपा के फंड से हाथ धोकर मच्छर नियंत्रण अभियान को सचमुच हवा दे दी है। ठेकेदार द्वारा नगर पालिका की राशि की हेराफेरी किये जाने से नगर पालिका में प्रशासनिक व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है, नागरिकों का आरोप है कि दवा का छिड़काव नियमित नहीं होने से शहर में मच्छरों की संख्या बढ़ रही है। मच्छर उन्मूलन अभियान में योजना की कमी,धन की बर्बादी और उदासीन प्रशासन वसई-विरार में मच्छरों की समस्या बढ़ा रहा है। इसलिए नागरिकों ने संबंधित ठेकेदार की जांच कर उसे काली सूची में शामिल करने की मांग की है।

डीबीडी संवाददाता | नालासोपारा

सर्दियों के आगमन के साथ ही वसई विरार शहर में भी मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। शाम होते ही मच्छरों के झुंड नजर आने लगते हैं। वसई विरार नालासोपारा के निवासी मच्छरों के प्रकोप से परेशान हैं। मच्छरों के खात्मे के लिए प्रति वर्ष 34 करोड़ यानी प्रतिदिन 9 लाख रुपये खर्च करने के बावजूद मच्छरों की समस्या बनी हुई है।

वसई विरार शहर में भी ठंड का अहसास होने लगा है। इसके कारण नालासोपारा पूर्व के गालानगर, शिर्डी नगर, आचोले रोड, पांच अम्बा, तूलिंज रोड , नागिनदास पाड़ा, प्रगति नगर, ओसवाल नगरी, डॉनगली, नालासोपारा पश्चिम में श्रीप्रस्थ रोड, हनुमान नगर, रेलवे स्टेशन के आसपास का इलाका, वसई पूर्व में वसंत नगरी, एवरशाइन, मधुबन, वालिव गोखिवरे ,विरार में , फूलपाड़ा, कारगिल नगर, जीवदानी रोड, मनवेल पाड़ा जैसी कई जगहों पर मच्छरों की समस्या बढ़ गई है। शाम के समय आसमान में पक्षियों के झुंड की तरह मच्छरों के झुंड दिखाई देने लगे हैं। इससे रहिवासीयों को शाम के समय घर से बाहर बैठना और टहलना मुश्किल हो गया है। मच्छरों के उत्पात के कारण नागरिकों को अपने घरों की खिड़कियां और दरवाजे बंद करके बैठना पड़ता है। मच्छरों के काटने से लोगों को गंभीर बीमारियाँ होने की संभावना भी बढ़ गई है। खुले नाले, नालियां, तालाब और झाड़ियां आदि के कारण मच्छरों की समस्या बढ़ रही है।

"बरसात के मौसम के बाद मच्छरों का प्रजनन काल होता है। महानगर पालिका के मनपा उपायुक्त ने कहा है कि इस महीने में मच्छरों की समस्या बढ़ रही है। महानगर पालिका ने मच्छरों के प्रकोप को कम करने के लिए,गटर साफ सफाई, टूटे हुए ढक्कन ,नालियां बनाने और झाड़ियां हटाने का काम शुरू कर दिया है। इसके लिए ड्रेनमास्टर उपकरण का उपयोग कर शहर में नियमित रूप से दवा का छिड़काव कराया जा रहा है। दावा किया गया है कि इसे व्यापक स्तर पर लागू करने मच्छरों के प्रकोप की समस्या कम हो जायेगी

– नानासाहेब कामठे (मनपा उपायुक्त, ठोस अपशिष्ट)

नालासोपारा पूर्व में मच्छरों से लोग काफी परेशान हैं, घर में दिन-रात मच्छर आ रहे हैं। महानगर पालिका की तरफ से सुबह के समय कभी-कभी छिड़काव कराया जाता है। शाम के समय यही छिड़काव करने से मच्छरों के प्रभाव में फर्क पड़ेगा। यह मामला गंभीर है और महानगर पालिका को इस पर तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।

– रोहित शर्मा (नागरिक, नालासोपारा)"

अनधिकृत रील बनाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पश्चिम रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल (RPF) को रेलवे संपत्ति, यात्रियों, यात्री क्षेत्र आदि की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हाल ही में, पश्चिम रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल (RPF) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रील अपलोड करने का मामला पकड़ा, जिसमें कुछ युवा रेलवे ट्रैक पर उतर कर रील बना रहे थे। रेलवे ट्रैक ट्रेनों की आवाजाही के लिए है और आम जनता से अनुरोध है कि वे रील और वीडियो बनाने के लिए रेलवे ट्रैक पर आकर अपनी जान जोखिम में न डालें। यह न केवल जानलेवा है बल्कि कानूनन अपराध भी है।

पांच व्यक्तियों को किया गिरफ्तार

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, भायंदर स्टेशन पर आरपीएफ टीम को सुरक्षा नियंत्रण कक्ष, मुंबई सेंट्रल से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड की गई रील से संबंधित एक घटना के बारे में सूचना मिली थी, जो भायंदर स्टेशन पर बनाई गई थी। सूचना के आधार पर रोहतास सिंह, एसआईपीएफ/भायंदर ने अपनी टीम के साथ और सिटी पुलिस स्टेशन की सहायता से मामले की जांच की और इस गतिविधि में शामिल पांच व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। आरोपी व्यक्तियों को आरपीएफ कार्यालय लाया गया, जहां उनके बयान दर्ज किए गए। पूछताछ के दौरान उन्होंने भायंदर स्टेशन परिसर में उत्पादों के प्रचार हेतु ट्रैक पर उतर कर रील बनाने की बात कबूल की। नतीजतन, उनके खिलाफ रेलवे अधिनियम की धारा 147 और धारा 145 (बी) (सीआर संख्या 2476/2024 से 2480/2024) के तहत मामले दर्ज किए गए। इन व्यक्तियों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 35 (3) के तहत नोटिस जारी किए गए और उन्हें रिहा कर दिया गया। उन्हें आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए वसई रोड स्थित न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी न्यायालय (जेएमएफसी) के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने अपने लापरवाहपूर्ण व्यवहार के लिए माफ़ी भी मांगी है और इस गलती को दोबारा न दोहराने का आश्वासन दिया है। इसके अलावा, उन्होंने एक अन्य वीडियो के माध्यम से लोगों से पटरियों को पार न करने या अनधिकृत रूप से वीडियो शूट न करने की अपील की है। माफ़ी मांगने वाला यह वीडियो पश्चिम रेलवे के सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

मध्य रेल के महाप्रबंधक धर्म वीर मीना ने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ 6 दिसंबर को भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर को उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

पश्चिम रेलवे ने भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर को दी श्रद्धांजलि

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर का 68वां महापरिनिर्वाण दिवस 6 दिसंबर, 2024 को चर्चगेट स्थित पश्चिम रेलवे के प्रधान कार्यालय और सभी मंडलों एवं इकाइयों में गरिमापूर्ण तरीके से मनाया गया। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार मिश्र ने दीप प्रज्वलित कर भारतीय संविधान के शिल्पकार भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर पश्चिम रेलवे की प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी मंजुला सक्सेना के साथ अन्य प्रमुख विभागाध्यक्ष और ट्रेड यूनियनों, एससी/एसटी एसोसिएशन एवं ओबीसी एसोसिएशन के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे और सभी ने भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की।

हत्या के प्रयास मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | नालासोपारा

शहर के पूर्व इलाके में पुरानी रंजिश के चलते युवक की चाकू घोंप कर हत्या का प्रयास करने वाले एक वर्ष से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 2023 में नालासोपार पूर्व राज नगर इलाके में रहने वाले अंकित धमेंद्र मिश्रा को अबू शेख और इरफान नामक आरोपी पुरानी रंजिश के चलते घर से बाहर बुलाकर उसके साथ मार पीट की और अंकित के पेट व पीठ में चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया। जिसके बाद आरोपी फरार हो गए थे। जिसके बाद इस मामले की शिकायत आचोले पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाई गई थी। मामले में पुलिस ने बताया कि इस मामले फरार आरोपी की तलाश के लिए लोकल क्राइम ब्रांच के पुलिस उपनिरीक्षक हितेंद्र विचारे, पुलिस हवलदार संतोष मदने, राजाराम काले, शिवाजी पाटील, गोविंद केंद्र और अकील सूतार की एक टीम गठित की। वहीं दो महीने के अथक परिश्रम के बाद आरोपी इरफान तुफैल शेख के नालासोपारा पूर्व, बोरी कॉलोनी स्थित जैनेबिया अपार्टमेंट में रहने की जानकारी मिली। साथ ही गुरुवार के दिन पुलिस हवलदार को उनके मुखबिर द्वारा आरोपी इरफान के नालासोपारा पूर्व स्थित सनसाईन सर्कल आने की गुप्त सूचना मिली। इसके आधार पर पुलिस ने जाल बिछाकर आरोपी को गुरुवार की शाम 4 बजे आचोले रोड, नालासोपारा पूर्व से गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई एलसीबी के पुलिस उपयुक्त अविनाश अंबुरे, और सहायक पुलिस आयुक्त मदन बल्लाल के मार्गदर्शन में एलसीबी के प्रभारी पोनि. राहुल राख, सपोनि दत्तात्रय सरक, नितीन बेंद्रे, पोउपनि हितेंद्र विचारे, सहापोउपनि श्रीमंत जेधे, मनोहर तावरे, आसीफ मुल्ला, पोहवा. संतोष मदने, राजाराम काले, शिवाजी पाटील, गोविंद केंद्रे, सतिष जगताप, हनुमंत सुर्यवंशी, महेश वेल्हे, संग्राम सिंह गायकवाड़, प्रविणराज पवार, राजविर संधु, अनिल नागरे, पोअ अकिल सुतार, साकेत माघाडे, नितीन राठोड, सचिन चौधरी, और सफौ. संतोष चव्हाण ने मिल कर की है।

जनवरी में नागपुर से कम होगी मुंबई की दूरी

एडवांस समृद्धि महामार्ग का अंतिम चरण खुलेगा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

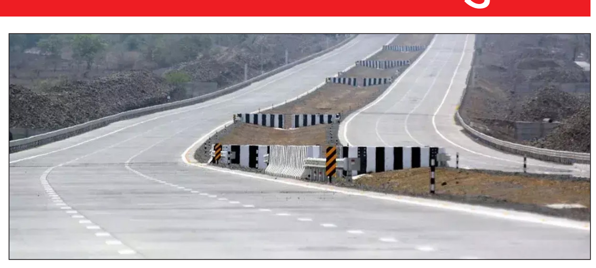

राज्य की उपराजधानी से राजधानी मुंबई तक की 18 घंटे की दूरी अब 7 घंटे में तय होगी। हिंदुहदय सम्राट स्व बालासाहब ठाकरे समृद्धि महामार्ग का अंतिम चरण में 76 किमी का हिस्सा जनवरी में आरंभ हो जाएंगा। महाराष्ट्र रास्ते विकास महामंडल से निर्मित देश के सबसे हाई-टेक-एक्सप्रेस वे के रूप में पहचाना जाता है। करीब 701 किलोमीटर लंबे महामार्ग को जनवरी में जनता के लिए पूरी तरह से आरंभ कर दिया जाएंगा। इस महामार्ग पर अब तक आरंभ तीन चरण को आरंभ कर दिया गया है। अंतिम चरण में इगतपूरी से ठाणे के आमने तक जनवरी में आरंभ कर दिया जाएंगा। हिंदुहदयसम्राट बालासाहब ठाकरे समृद्धि महामार्ग के पहले चरण में 520 किमी क्षेत्र (नागपुर से शिर्डी) तक 11 दिसंबर 2022 को आरंभ किया गया है। दूसरे चरण में 80 किमी क्षेत्र (शिर्डी से भरवीर) तक 26 मई 2023 और तीसरे चरण में 25 किमी (भरवीर से इगतपूरी) को आरंभ किया गया है। करीब 701 किमी की लंबाई में से 625 किमी के महामार्ग को अब तक खुला कर दिया गया है, जबकि अंतिम चरण में 76 किलोमीटर की दूरी में इगतपुरी से मुंबई तक को जनवरी 2025 में आरंभ करने का लक्ष्य रखा गया है।

50 हजार करोड़ का प्रोजेक्ट

हिंदुहदयसम्राट बालासाहब ठाकरे समृद्धि महामार्ग बनाने के लिए लिए 55,392 करोड़ का बजट रखा गया है। अगले चरण में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे भी जोड़ने का प्रयास हो रहा है। इसके बाद आठ लेन वाला भारत का सबसे लंबा एक्सप्रेस वे हो जाएगा। वर्तमान में मुंबई से नागपुर के बीच 18 घंटे की समयावधि को सात घंटे कर देगा। इस मार्ग पर गति सीमा 150 किलोमीटर प्रतिघंटा निर्धारित की गई है। पूरे रास्ते पर वाहनों के ठहरने और थमने पर जुर्माने का प्रावधान है, वाहनों और ड्राइवरों की सुविधा के लिए पेट्रोल पंप के समीप रेस्ट की व्यवस्था की गई है। रास्ता सुरक्षा के लिहाज से एक्सप्रेसवे पर इंट्रीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) को लगाया गया है, ताकि गाड़ियों की स्पीड, लेन और अनुशासन पर निगरानी रखी जा सके।

प्रस्ताव में अब भी कमी

राज्य रास्ते विकास महामंडल के मुताबिक समृद्धि महामार्ग तीन अंतरराष्ट्रीय और सात घरेलू एयरपोर्ट से जुड़ा हुआ है। एक्सप्रेस वे को 10 जिलों, 26 तहसील और 392 गांवों समेत 701 किलोमीटर लंबाई में राजधानी मुंबई और उपराजधानी नागपुर को जोड़ता है। प्रशासन के मुताबिक एक्सप्रेस वे पर जानवरों को रोड क्रॉस करने के लिए अलग से व्यवस्था की गई है। प्रत्येक 40 किमी की दूरी पर अत्याधुनिक सुविधाओं को तैयार करने का भी प्रस्ताव है। दिसंबर 2022 में पहले चरण में नागपुर से शिर्डी तक के रास्ते को आरंभ किया गया। हालांकि अब पूरे रास्ते पर प्रत्येक 50 किलोमीटर अंतराल पर रेस्ट एरिया, फूड प्लाजा, इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग स्टेशन लग नहीं पाएं हैं।

दुर्घटनाओं के लिए भी मशहूर

एमएसआरडीसी के पुख्ता इंतजामों के दावों के बाद भी दिसंबर 2022 से 30 जून 2023 तक 449 दुर्घटनाएं हुई है, इनमें से 161 बड़ी दुर्घटनाओं का समावेश है। 30 जून 2023 को निजी बस में 26 यात्रियों समेत अब तक 102 नागरिकों ने जान गंवाई है। परिवहन विभाग और यातायात पुलिस की ओर से महामार्ग जानेवाले वाहनों की सुरक्षा जांच की जा रही है। बावजूद इसके आवारा जानवरों के आ जाने से दुर्घटनाएं हो रही है। जानकार इस महामार्ग पर रेस्ट रूम सेमत बुनियादी सुविधा नहीं होने से हाइवे हिप्नोटिज्म को दुर्घटना का कारण बता रहे है।

डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर विधान भवन में श्रद्धांजलि

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भारतीय संविधान के निर्माता, भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष एडवोकेट राहुल नार्वेकर और विधान परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. नीलम गोरे ने पुष्पांजलि एवं पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर महाराष्ट्र विधान सचिवालय के सचिव (1) (प्रभार) जितेंद्र भोले, सचिव (2) (प्रभार) डॉ. विलास आठवले, अवर सचिव विजय कोमटवार, उपसभापति के निजी सचिव एवं जनसंपर्क अधिकारी रवींद्र खेबुडकर, निदेशक वी.एस. संसदीय प्रशिक्षण केन्द्र एवं जनसम्पर्क अधिकारी नीलेश मदाने सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब को गुलाब के पुष्प अर्पित किये।

हल्के मालवाहक वाहनों का फेसलेस पंजीकरण सेवा 28 नवंबर से शुरू

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

हल्के माल वाहनों (3W/4W) की फेसलेस पंजीकरण सेवा 28 नवंबर से लागू की गई है। उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कल्याण आशुतोष बारकुल ने बताया है कि इस सुविधा सभी संबंधित वाहन डीलरों के पास उपलब्ध है और संबंधित कार्यवाही वेबसाइट www.parivahan.gov.in पर की जाएगी। महाराष्ट्र राज्य परिवहन आयुक्त ने हल्के माल वाहनों (3W/4W) की फेसलेस पंजीकरण सेवा शुरू करने का निर्देश दिया है। तदनुसार, यह सेवा पूरी तरह से फेसलेस है और वाहन डीलर वेबसाइट www.parivahan.gov.in पर वाहन मालिक के वाहन पंजीकरण के लिए आवेदन करके वाहन पंजीकरण शुल्क और वाहन कर का भुगतान कर सकता है। परिपत्र दिनांक 27 नवंबर के अनुसार उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी बारकुल ने जानकारी दी।

इंडियन ऑइल नेवी हाफ मैराथन 2024 के लिए 2 विशेष उपनगरीय सेवाएं

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

इंडियन ऑइल डब्ल्यू एन सी नेवी हाफ मैराथन 2024 के प्रतिभागियों की सुविधा के लिए मध्य रेल दिनांक 07 / 08.12.2024 (शनिवार / रविवार रात्री) को 2 विशेष उपनगरीय सेवाएं चलाएगा। ये दोनों विशेष ट्रेनें सभी स्टेशनों पर रुकेंगी।

मेन लाइन: विशेष ट्रेन कल्याण से 02.30 बजे प्रस्थान करेगी और 04.00 बजे सीएसएमटी मुंबई पहुंचेगी।

हार्बर लाइन: विशेष ट्रेन पनवेल से 02.30 बजे प्रस्थान करेगी और 03.50 बजे सीएसएमटी मुंबई पहुंचेगी।

आगरी युथ फोरम द्वारा 10 दिसंबर से अखिल भारतीय आगरी महोत्सव का आयोजन

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हाथों होगा उद्घाटन

डीबीडी संवाददाता | डोंबिवली

आगरी-कोली समुदाय की संस्कृति को वैश्विक स्तर पर पहुचाने वाली अखिल भारतीय आगरी महोत्सव में हर दिन विभिन्न सांस्कृतिक, शैक्षिक और मनोरंजन कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। महोत्सव का उद्घाटन समारोह मंगलवार, 10 दिसंबर को शाम 5 बजे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और वरिष्ठ समुदाय के नेताओ की उपस्थिति में किया जाएगा। इस महोत्सव में राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्र के कई गणमान्य लोग शामिल होंगे ऐसी जानकारी पत्रकार परिषद में आगरी युथ फोरम के अध्यक्ष गुलाब वझे ने इन्होंने दी। इस मौके पर आगरी युथ फोरम के सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

पारंपरिक आगरी-कोली नृत्य, गीत और लोक संगीत का अनुभव

इस महोत्सव में पारंपरिक आगरी-कोली नृत्य, गीत और लोक संगीत का अनुभव किया जाएगा। इसमें स्कूली छात्रों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी और प्रसिद्ध गायक संतोष चौधरी (दादा), योगेश चौधरी और रॉक गायिका सपना पाटिल की प्रस्तुतियां विशेष आकर्षण होंगी। मराठी भाषा की शास्त्रीय स्थिति एवं उसके संरक्षण विषय पर डॉ. श्रीपाद जोशी, डॉ. लक्ष्मीकांत देशमुख, और प्रो. मिलिंद जोशी जैसे विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार आयोजित किए जाएंगे। यह चर्चा मराठी भाषा के गौरव और जिम्मेदारी के मुद्दों पर प्रकाश डालेगी। महिलाओं द्वारा आयोजित पारंपरिक कार्यक्रम मंच पर प्रस्तुत किये जायेंगे। इसके अलावा महिलाओं को प्रबंधन की सभी जिम्मेदारियां संभालकर अपनी नेतृत्व क्षमता साबित करनी होती है। मराठी फिल्म कलाकारों की उपस्थिति से यह महोत्सव और अधिक रंगीन होगा।

'लिस्ट में रहूंगा, टॉप पर नहीं हूं'

महाराष्ट्र के सीएम कुर्सी पर वापसी के बाद अपने इंटरव्यू में किया यह ऐलान

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर वापसी के बाद देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि वह हर लिस्ट में रहना चाहेंगे लेकिन शीर्ष पर नहीं। फडणवीस ने यह जवाब तब जब उनसे पूछा गाया कि पीएम मोदी के बाद नई पीढ़ी के नेताओं के साथ यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ टॉप पर हैं। फडणवीस ने कहा कि मैं लिस्ट में जरूर रहूंगा लेकिन टॉप पर नहीं। फडणवीस ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से जुड़े सवाल पर सीधे कुछ नहीं कहा। उन्होंने कहा कि उन्होंने उत्तर प्रदेश में अच्छा काम किया है। महाराष्ट्र में बीजेपी को पीएम मोदी की वजह से जीत मिली है। फडणवीस ने कहा कि पीएम के एक हैं तो सेफ हैं नारे से जीत मिली।

'हिंदुत्व को पोस्टर ब्वॉय की जरूरत नहीं'

एक सवाल के जवाब में फडणवीस ने कहा कि हिंदुत्व को पोस्टर की जरूरत नहीं है। फडणवीस ने कहा कि हिंदुत्व को सबसे अच्छे ढंग से पीएम मोदी ने परिभाषित किया है। फडणवीस ने कहा कि पहले नेता मंदिर जाने में भी संकोच करते थे। अब ऐसा नहीं है। जब फडणवीस ने पूछा गया है कि शिंदे खुद को बेहतर सीएम बता रहे हैं तो फडणवीस ने कहा कि उनकी सफलता में मेरा भी साथ है। अगर वे ऐसा कहते हैं तो मुझे उसका दुख नहीं है क्योंकि वे मेरे सहयोगी रहे हैं। बीजेपी में नए नेतृत्व के सवाल पर फडणवीस ने कहा कि पहले कहा जाता था कि अटल और आडवाणी जी के बाद क्या होगा? बीजेपी ने पीएम मोदी जैसे नेतृत्व तैयार किया। फडणवीस ने कहा कि बीजेपी में नेतृत्व की कमी नहीं है।

'गृह विभाग पर फैसला नहीं'

फडणवीस से जब यह पूछा गया है कि क्या वे गृह विभाग रखेंगे? तो उन्होंने कहा कि अभी इस बारे में फैसला नहीं हुआ है। फडणवीस ने कहा कि सरकार में तीन सहयोगी हैं। ऐसे में कुछ विभाग अहम होते हैं। इनमें फाइनेंस, यूडी और गृह विभाग हैं। फडणवीस ने कहा कि जल्द इस बारे में फैसला हो जाएगा। फडणवीस ने कहा इस बारे में बात चल रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा के विंटर सेशन से पहले मंत्रिमंडल का विस्तार हो जाएगा। विधानसभा का शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से नागपुर में शुरू होना है।

'हिंदू समाज को दबाया गया...'

एक सवाल के जवाब में देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि एमवीए सरकार के शासन में हिंदू समाज को दबाने की कोशिश की गई। फडणवीस ने कहा कि एमवीए का सज्जाद नोमानी जैसे लोगों ने समर्थन किया। इससे एक गलत संदेश गया। हिंदू समाज ने महायुति को बड़ा जनादेश दिया। फडणवीस ने दूसरे दलों के नेताओं को अपने पाले में लेने पर कहा कि ऐसी कोई जरूरत नहीं है। उनसे जब यह पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह सवाल आप काफी जल्दी पूछ रहे हैं। एबीपी न्यूज से बातचीत में फडणवीस ने साफ किया कि खुलासा किया कि वह आखिर क्यों सीएम बने। फडणवीस ने कहा कि मैंने शिंदे साहब को बताया कि मेरी पार्टी ऐसा चाहती है। फडणवीस ने कहा यह पार्टी का फैसला था। पार्टी का जब मजबूत व्यक्ति सीएम होता है तो पार्टी भी चलती है।

'मैंने बदला ले लिया है....'

देवेंद्र फडणवीस ने एक सवाल के जवाब में कहा कि मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं। जिन्हों मुझे, मेरे रपरिवार को और मेरी पार्टी को टारगेट किया। फडणवीस ने कहा जो महाराष्ट्र को भी पसंद नहीं आया। आज उनमें से कई लोगों को शर्मिंदगी होती होगी कि उन्होंने मुझसे ऐसा व्यवहार किया। फडणवीस ने कहा कि साल 2022 में जब उपमुख्यमंत्री बना, तभी मैंने कह दिया था कि मैं सबसे बदला लूंगा और मैंने बदला ले लिया है। बदले के रूप में मैंने सबको माफ कर दिया।

उद्धव गुट के नेता अंबादास दानवे का शिंदे पर निशाना

फोटो पोस्ट कर लिखा कि कुछ लिखने की जरूरत नहीं

पोस्ट के बाद शिंदे समर्थकों के निशने पर आए दानवे

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में महायुति की प्रचंड जीत और फिर 11 दिन मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम की शपथ के बाद भी सियासत गरमाई हुई है। पिछली सरकार में मुख्यमंत्री रहे एकनाथ शिंदे के डिप्टी सीएम बनने पर उद्धव ठाकरे गुट के नेता अंबादास दानवे ने फोटो के जरिए अटैक किया है। दानवे ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर शपथ ग्रहण समारोह की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा है कि कैप्शन लिखने की जरूरत नहीं है। इस फोटो एकनाथ शिंदे के अभिवादन को गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह स्वीकार कर रहे हैं। आजाद मैदान में गुरुवार को आयोजित शपथ समारोह से कुछ घंटे पहले ही शिंदे सरकार में शामिल होने पर राजी हुए थे।

दानवे ने बोला हमला

एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र में फडणवीस के बाद दूसरे ऐसे नेता है जो सीएम रहने के बाद डिप्टी सीएम बने हैं। उद्धव ठाकरे गुट के नेता अंबादास दानवे विधान परिषद में विपक्ष के नेता हैं। वह शिवसेना में दो फाड़ होने के बाद उद्धव ठाकरे के साथ ही रहे थे। दानवे संभाजीनगर के शिवसेना यूबीटी खेमे के प्रमुख है। विधानसभा परिषद में नेता विपक्ष होने के बाद भी अंबादास दानवे ने नई सरकार के मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम को बधाई नहीं दी है बल्कि हमला बोला है। हालांकि दानवे की इस पोस्ट के बाद कुछ यूजर्स ने एक उनका भी वीडियो शेयर कर दिया है। इसमें वह राउत के पैंट में लगी धूल को कपड़े से झाड़ कर ठीक रहे हैं।

फडणवीस साफ कर चुके स्थिति

सीएम बनने के बाद देवेंद्र फडणवीस एक टीवी इंटरव्यू में स्पष्ट कर चुके हैं कि वह क्यों सीएम बने? एक सवाल के जवाब में फडणवीस ने कहा कि उन्होंने शिंदे को बताया कि उनकी पार्टी की इच्छा है। ऐसे में शिंदे मान गए। उन्होंने कहा कि सीएम को लेकर कोई विवाद नहीं था। शिंदे नाराज नहीं थे। फडणवीस ने कहा कि पिछली बार पार्टी के निर्देश पर ही वह डिप्टी सीएम बने थे। शिंदे की तरफ से गृह विभाग की मांग की गई है,अभी तक नई सरकार में गृह विभाग किसके पास रहेगा? यह साफ नहीं हुआ है।

तस्वीर न होने पर भड़के थे संजय राउत

इससे पहले उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने बीजेपी के शपथ ग्रहण वाले विज्ञापन में बाला साहेब ठाकरे की तस्वीर नहीं होने पर सवाल खड़े किए थे और पूछा था कि एकनाथ शिंदे शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे के नाम का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इस प्रमुख विज्ञापन में साहेब की फोटो क्यों नहीं है? यह पूछने की हिम्मत मत करो, हालांकि डिप्टी सीएम की शपथ लेने से पहले एकनाथ शिंदे बाल ठाकरे और आनंद दिघे को याद किया था। एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना को चुनावों में 57 सीटों पर जीत मिली है, जब उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी को 20 सीटें ही मिली हैं।

'एक महीने में पूरी हो मराठाओं की मांग, नहीं तो करेंगे आंदोलन'

नई सरकार पर मनोज जरांगे का हमला

मुंबई। महाराष्ट्र में नई सरकार के कार्यभार संभालने के अगले दिन ही मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने बड़ा एलान किया। उन्होंने कहा कि अगर सरकार पांच जनवरी तक मराठा समुदाय की ओबीसी श्रेणी में नौकरी कोटे की मांग को पूरा नहीं करती है तो हम नए सिरे से आंदोलन शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारा समुदाय अपनी मांगों पर कायम है। पिछली एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल के दौरान मनोज जरांगे कई बार भूख हड़ताल कर चुके हैं।

मनोज जरांगे ने कहा कि सीएम देवेंद्र फडणवीस, डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने पांच दिसंबर को शपथ ली। अगर वे अगले एक महीने पांच जनवरी तक मराठा समुदाय की मांगों पर गौर नहीं करते हैं तो हम नया आंदोलन शुरू करने का एलान करेंगे। नई सरकार के बारे में उन्होंने कहा कि कुछ भी नहीं बदला है।

वोट जिहाद के लिए सैकड़ों करोड़ रुपए खर्च किए गए : सोमैया

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भाजपा नेता और पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने शुक्रवार को बातचीत की। इस दौरान उन्होंने 'वोट जिहाद' पर कड़ी आपत्ति जताई और इस मामले में पुलिस द्वारा तलब किए जाने पर प्रतिक्रिया दी। किरीट सोमैया ने दावा किया कि चुनाव के दौरान सैकड़ों करोड़ रुपए 'वोट जिहाद' के लिए खर्च किए गए। उन्होंने कहा कि इस मामले में मैंने चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 'मराठी मुस्लिम महासंघ' के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है और अब मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि मौलाना सज्जाद नोमानी और उलेमा बोर्ड भी इस मामले में जवाबदेह हों।

'वोट जिहाद का हिसाब हम लेकर रहेंगे'

उन्होंने कहा कि वोट जिहाद का हिसाब हम लेकर रहेंगे। उन्होंने बताया कि वह आजाद मैदान पुलिस स्टेशन में जाकर अपना बयान दर्ज कराएंगे और मराठी मुस्लिम सेवा संघ द्वारा संचालित 350 से अधिक एनजीओ को मिलने वाली फंडिंग का हिसाब भी मांगा जाएगा। इस दौरान उन्होंने 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' जैसे अन्य मुद्दों पर भी चिंता जताई और कहा कि यह देश की एकता और सुरक्षा के लिए खतरे की घंटी हो सकती है।

संविधान की अहमियत पर जोर

वहीं, संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर किरीट सोमैया ने बाबा साहेब के बनाए गए संविधान की अहमियत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने संविधान में स्पष्ट रूप से कहा था कि हिंदुस्तान एक होना चाहिए और आज भी यही शब्द हमारे देश में गूंजता है, हम एक हैं, हम सुरक्षित हैं। इस दौरान उन्होंने इस बात से भी इनकार कर दिया कि 'महायुति' में कोई विवाद है।

रविवार को मध्य रेलवे पर मेगा ब्लॉक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मध्य रेल, मुंबई मंडल दिनांक 08.12.2024 को अपने उपनगरीय खंडों पर विभिन्न इंजीनियरिंग और रखरखाव कार्यों को पूरा करने के लिए मेगा ब्लॉक परिचालित करेगा।

माटुंगा-मुलुंड अप और डाउन फास्ट लाइन सुबह 11.30 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक

सीएसएमटी मुंबई से सुबह 10.58 बजे से दोपहर 3.10 बजे तक प्रस्थान करने वाली डाउन फास्ट लाइन की सेवाएं माटुंगा में डाउन स्लो लाइन पर डायवर्ट की जाएंगी और माटुंगा और मुलुंड स्टेशन के बीच अपने संबंधित ठहराव के अनुसार रुकेंगी और अपने गंतव्य पर निर्धारित समय से 15 मिनट देरी से पहुंचेंगी।

ठाणे से आगे की फास्ट ट्रेनें मुलुंड स्टेशन पर डाउन फास्ट लाइन पर पुन: डायवर्ट की जाएंगी

ठाणे से सुबह 11.25 बजे से दोपहर 3.27 बजे तक प्रस्थान करने वाली अप फास्ट लाइन की सेवाएं मुलुंड में अप स्लो लाइन पर डायवर्ट की जाएंगी, जो मुलुंड और माटुंगा स्टेशनों के बीच अपने संबंधित ठहराव के अनुसार रुकेंगी और माटुंगा स्टेशन पर अप फास्ट लाइन पर पुन: डायवर्ट की जाएंगी और निर्धारित समय से 15 मिनट देरी से गंतव्य पर पहुंचेंगी।

अप और डाउन हार्बर लाइन सीएसएमटी और चूनाभट्टी/बांद्रा के बीच सुबह 11.10 बजे से शाम 4.40 बजे तक

सीएसएमटी से सुबह 11.16 बजे से शाम 4.47 बजे तक वाशी/बेलापुर/पनवेल के लिए प्रस्थान करने वाली डाउन हार्बर लाइन सेवाएं और सीएसएमटी से सुबह 10.48 बजे से शाम 4.43 बजे तक बांद्रा/गोरेगांव के लिए प्रस्थान करने वाली डाउन सेवाएं रद्द रहेंगी पनवेल/बेलापुर/वाशी से सीएसएमटी के लिए पनवेल से प्रस्थान करने वाली अप हार्बर लाइन की सेवाएं सुबह 9.53 बजे से दोपहर 3.20 बजे तक तथा सुबह 10.45 बजे से शाम 5.13 बजे तक गोरेगांव/बांद्रा से सीएसएमटी के लिए बांद्रा से प्रस्थान करने वाली अप सेवाएं रद्द रहेंगी। हालांकि, ब्लॉक अवधि के दौरान पनवेल-कुर्ला-पनवेल के बीच विशेष सेवाएं चलेंगी। हार्बर लाइन के यात्रियों को सुबह 10.00 बजे से शाम 6.00 बजे तक मेन लाइन और वेस्टर्न लाइन स्टेशनों से यात्रा करने की अनुमति है ये रखरखाव मेगा ब्लॉक बुनियादी ढांचे के रखरखाव और संरक्षा के लिए आवश्यक हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे होने वाली असुविधा के लिए रेलवे प्रशासन के साथ सहयोग करें।

घर में घुसकर महिला को किया प्रताड़ित, लूट को दिया अंजाम

आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुंबई। मीरारोड पूर्व के नयानगर पुलिस थाने की सीमा में एक बेहद चौंकाने वाली घटना घटित हुई है। जिसमें एक चोर ने खुद को इलेक्ट्रीशियन बताकर 72 वर्षीय महिला के घर में घुस कर करीब 8 घंटे तक उसकी पिटाई कर प्रताड़ित किया। इसके बाद महिला के 30-35 ग्राम वजन के कंगन छीन कर फरार हो गया। इस मामले में नयानगर पुलिस थाने में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए क्राइम ब्रांच (यूनिट-1) के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अविराज कुराड़े ने मामले की जांच शुरू कर दी। उनकी टीम वांछित अज्ञात आरोपी की तलाश में जुट गई, नतीजन घटना स्थल से मिले सबूतों और पुख्ता जानकारी के आधार पर शुक्रवार को नया नगर पुलिस थाने और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने मीरा रोड स्टेशन के पास से आरोपी मो.सलीम चौधरी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी नयानगर का ही रहने वाला है।

3 लाख के कर्ज में था आरोपी

बता दें कि गिरफ्तार आरोपी तय्यबा ज्वेलर्स नामक कंपनी में सेल्समैन का कार्य करता था। पूछताछ में उसने पुलिस को बताया कि वह ऑनलाइन गेमिंग में 3 लाख का कर्जदार हो गया था। कर्ज से मुक्ति के लिए ही उसने इस वारदात को अंजाम दिया था। एक कैलेंडर वितरण के दौरान उसे पता चला था कि उक्त पीड़ित वृद्धा घर में अकेले रहती है। 72 वर्षीया महिला फातिमा जुवाले मीरा रोड पूर्व के नयानगर इलाके की अर्पण अपार्टमेंट नामक इमारत में अकेले रहती हैं। पिछले हफ्ते इस महिला के घर पर शॉर्ट सर्किट की घटना हुई थी। इसी का फायदा उठाकर आरोपी ने खुद को इलेक्ट्रीशियन बताया और मंगलवार की रात करीब साढ़े नौ बजे घर में घुस गया। आरोपी ने अकेले रह रही महिला को शाम साढ़े नौ बजे से अगले दिन सुबह पांच बजे तक करीब आठ घंटे तक बंधक बनाकर प्रताड़ित करता रहा। पीड़िता किसी से सहायता नहीं मांगे इसलिए आरोपी ने वृद्धा का मोबाइल लेकर उसमें से सारे नंबर डिलीट कर मोबाइल को फ्लाइट मोड़ में डाल दिया था। इमारत में सीसीटीवी कैमरा भी नहीं लगा है और ना ही सुरक्षागार्ड की तैनाती है। इसी का फायदा उठाकर आरोपी रात के समय घर में घुसा था।

पुलिस ने दर्ज किया था मामला

घटना को अंजाम देने के बाद वह 8 घंटे तक घर में ही रुक कर सुबह होने का इंतजार कर रहा था। असहाय वृद्धा को घायल अवस्था में छोड़कर सुबह लगभग 5 से 5.30 के बीच वह घर से चुपचाप निकल कर भाग गया। वृद्धा का मोबाइल लगातार बंद होने के कारण किसी आशंका के डर से दूसरे दिन उनके रिश्तेदार लगभग 10.30 से 11 के बीच जब उनके घर पहुंचे तब जाकर उन्हें पूरी घटना की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने नया नगर पुलिस थाने में अज्ञात के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री मधुकर पिचड का निधन

84 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री रहे मधुकर पिचड का शुक्रवार को नासिक के एक अस्पताल में बीमारी के चलते निधन हो गया। उन्होंने 84 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। एनसीपी नेता और उनके साथी रहे छगन भुजबल ने बताया कि पिचड को पिछले महीने ब्रेन स्ट्रोक हुआ था। उनको अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें संक्रमण हो गया और पांच-छह दिन पहले उन्हें वेंटीलेटर पर रखा गया था।

आदिवासी समुदाय के एक प्रमुख नेता

पूर्व मंत्री मधुकर पिचड 1980 से 2009 तक अहिल्यानगर जिले के अकोले विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले आदिवासी समुदाय के एक प्रमुख नेता थे। वे कई सरकारों में मंत्री रहे। शिवसेना भाजपा गठबंधन सरकार के सत्ता में आने के बाद वह विधानसभा में विपक्ष के नेता बने। 1999 में उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी और शरद पवार की एनसीपी में शामिल हो गए। उन्होंने विलासराव देशमुख के नेतृत्व वाली सरकार में आदिवासी विकास मंत्री के रूप में भी कार्य किया।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी महाराष्ट्र के अध्यक्ष भी रहे पिचड

2019 में वह और उनके बेटे, पूर्व विधायक वैभव पिचड भाजपा में शामिल हो गए थे। बताया जाता है कि पिचड राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी महाराष्ट्र के अध्यक्ष भी रहे। उन्होंने 1961 में अमृतसागर मिल्क को-ऑपरेटिव अकोले की स्थापना की। वे अगस्ती सहकारी चीनी कारखाने के संस्थापक अध्यक्ष थे, जो 1993 में स्थापित भारत का पहला सहकारी चीनी कारखाना है। उनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत 1972 में हुई। सबसे पहले वह जिला परिषद सदस्य बने। 1972 में उन्होंने पंचायत समिति अकोले के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया और 1980 तक इस पद पर रहे।

1991 में पहली बार बने मंत्री

मधुकर पिचड सबसे पहले 1991 में जनजातीय विकास मंत्रालय के कैबिनेट मंत्री चुने गए। इसके बाद छह मार्च 1993 को जनजातीय विकास मंत्रालय, डेयरी विकास मंत्रालय, पर्यटन विकास, पशुपालन और मत्स्य मंत्रालय के कैबिनेट मंत्री रहे। इसके बाद विलासराव देशमुख सरकार में भी 1999 में जनजातीय विकास मंत्री बने। 11 जून 2013 को भी वह जनजातीय विकास मंत्रालय, घुमंतू जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्रालय में मंत्री बने।

मध्य रेल

एक्सल बॉक्स की सफाई

खुली निविदा संख्या

1)PR-WS-AB-24-25-679

कार्य का विवरण : आईसीएफ कोच और अन्य रोलिंग स्टॉक व्हील सेट के एक्सल बॉक्स और गोलाकार रोलर बेयरिंग को उतारने एक्सल बॉक्स असेंबली घटकों की सफाई और निर्दिष्ट स्थानों पर स्टैकिंग का कार्य। **अनुमानित लागत:** रु.1351478/- **निविदा प्रपत्र का शुल्क:** Nil **ईएमडी:** रु.27000/- **समापन अवधी :** बारह माह ई-निविदा की जमा करने की तिथी एवं अवधि दि. **25.12.2024** को **17.00** बजे तक है। ई-निविदा की विस्तृत जानकारी रेल की आधिकारीक वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

मु. का. प्र., परेल 581

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल

लेड एसिड बैटरी की खरीद

निविदा सूचना

निविदा संख्या: 85246707 **विवरण:** सीलबंद रखरखाव मुक्त लेड एसिड बैटरी 300 AH क्षमता जिसमें 52 नग (104 वोल्ट) के 2v सेल मॉड्यूल के साथ इंटर सेल और इंटर मॉड्यूल कनेक्टर हार्डवेयर आदि शामिल हैं जो ICF drg no.SSA 7-1-001 के अनुसार स्टेनलेस स्टील बैटरी बॉक्स में असेंबल किए गए हैं। बैटरी आम तौर पर आरडीएसओ विशिष्टता आरडीएसओ/पीई/स्पेक/एसी/0009-2014 (रेव.02) की पुष्टि करेगी। सभी सेल 50 वर्ग मिमी ई-बीम केबल का उपयोग करके आपस में जुड़े होंगे। किसी भी बैटरी को गिट्टी/बाहरी वस्तुओं से संभावित टकराने के लिए उजागर नहीं किया जाएगा। इसलिए बैटरी बॉक्स के चारों ओर 2 मिमी मोटाई, चौकोर छेद वाली एसएस शीट प्रदान की जाएगी। **मात्रा:** 9 SET **खोलने के लिए नियत तारीख:** 26/12/24 **निविदा मूल्य:** रु. 6442735.00। मध्य रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर निविदा का पूरा विवरण उपलब्ध है, वेबसाइट से सम्पूर्ण दस्तावेज डाउनलोड किए जा सकते हैं।

एएमएम (सीडब्ल्यूई) एमटीएन मुंबई 585

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

संपादकीय

संभल का सच छिपाती सरकार

अपनी पूर्व घोषणा के अनुसार कांग्रेस के नेता राहुल गांधी हिंसाग्रस्त संभल (उत्तर प्रदेश) जाने के लिये बुधवार की सुबह अपनी बहन व सांसद प्रियंका के साथ निकले तो थे, लेकिन तकरीबन डेढ़ सौ किलोमीटर पहले ही गाजीपुर बॉर्डर पर उन्हें रोक दिया गया। उप्र पुलिस ने उन्हें आगे जाने की इजाज़त नहीं दी। पिछले दिनों वहां की शाही मस्जिद में सर्वेक्षण को लेकर जो हिंसा हुई थी, उसका सच छिपाने के लिये उप्र तथा केन्द्र की डबल इंजिन सरकार इतनी बेताब है कि वह यह भी भूल गयी कि राहुल अब केवल रायबरेली के सांसद या एक पार्टी विशेष के नेता ही नहीं है बल्कि वे लोकसभा में विपक्ष के नेता भी हैं। किसी घटना स्थल का दौरा करना उनका सिर्फ नैतिक कर्तव्य नहीं है वरन यह उनका संवैधानिक अधिकार भी है। यदि सरकार इस हद तक जाती है तो साफ है कि वह संभल का सच छिपाना चाहती है। सत्य के उजागर होने का डर साफ दिखाई पड़ता है। उल्लेखनीय है कि जब कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अन्य नेताओं व अपने काफिले के साथ दिल्ली-गाजीपुर सीमा पर पहुंचे तो वहां तैनात बड़े पुलिस बल ने उन्हें रोक दिया। राहुल की कोई भी बात नहीं मानी गयी और उन्हें आगे जाने की अनुमति नहीं मिली। उन्होंने इस आशय का प्रस्ताव तक दिया कि वे अकेले जाने के लिये तैयार हैं और उनके साथ चाहें तो पुलिस अधिकारी चल सकते हैं। उन्हें बार-बार इस बात की दुहाई दी गयी कि वहां जाने से माहौल और बिगड़ेगा। 'ऊपर से ही उन्हें न जाने देने' के आदेश के संकेत तो दिये गये लेकिन ऐसा कोई आदेश दिखाया नहीं गया। अंततः राहुल-प्रियंका को लौट जाना पड़ा। एक अदालती आदेश के बाद शाही मस्जिद का, जो तकरीबन 500 साल पुरानी है, भारतीय पुरातात्विक विभाग द्वारा 24 नवम्बर को सर्वेक्षण किया गया था। पहला सर्वे शांतिपूर्ण गुजरा लेकिन जब दूसरे चरण के सर्वे के लिये वज़ूखाना खाली कराया गया, तो शहर में हिंसा भड़क उठी थी। इसे शांत करने के नाम अल्पसंख्यकों के खिलाफ जुल्म होने के आरोप अनेक संगठनों तथा कई विपक्षी नेताओं ने लगाये हैं। सांसद डिम्पल यादव (समाजवादी पार्टी) का आरोप है कि राज्य में विधानसभा की 9 सीटों के लिये हुए उपचुनाव के मद्देनज़र भाजपा ने दंगे कराये। इसमें लगभग आधा दर्जन लोगों की पुलिस के गोली चालन से मौत हो गयी थी। अगर यह आरोप सही है तो इसका फायदा मिलता दिखा भी। भाजपा को 7 विधानसभा क्षेत्रों में जीत हासिल हुई। उसी दौरान हुए महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों के प्रचार के दौरान भी संभल मामले को भाजपा ने भुनाने की कोशिश की थी। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले हरियाणा के विधानसभा चुनाव में प्रचार करते हुए 'बटेंगे तो कटेंगे' का जो नारा दिया था, उसे उन्होंने झारखंड के दूसरे तथा महाराष्ट्र के प्रचार-अभियान के दौरान संभल का दृष्टांत देते हुए दोहराया था। यह अलग बात है कि उसे महाराष्ट्र में भाजपा की सहयोगी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) की ओर से यह कहकर खारिज कर दिया गया था कि 'महाराष्ट्र में यह नारा नहीं चलेगा।' संभल की प्रासंगिकता बनाये रखने तथा उसका हवाला देने में सहूलियत हो, इसके लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक हैं तो सेफ हैं' का नारा दिया था। बहरहाल, संभल की घटना को लेकर उप्र सरकार का कहना रहा है इस हिंसा के दोषी अल्पसंख्यक हैं। यदि ऐसा होना सच भी मान लिया जाये तब तो उप्र सरकार को सभी को संभल जाने देना चाहिये ताकि यह सत्य सामने आये। ऐसा वह इसलिये नहीं कर रही है क्योंकि वह जानती है कि सच्चाई कुछ और है। धर्म स्थलों से सम्बन्धित कोई विवाद स्वतंत्र भारत की धर्मनिरपेक्ष बुनियाद को हिला न सके इसलिये 1991 में उपासना स्थल अधिनियम बनाया गया था कि 1947 की स्थिति बरकरार रखी जायेगी। यानी कि जो धर्म स्थल जिस मज़हब के हैं वे उसी के बने रहेंगे। जहां तक रामजन्मभूमि का मामला था तो उसे अपवाद माना गया था क्योंकि वह पहले से न्यायाधीन था। जब से (2014 में) मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने सरकार बनाई है, तभी से उसके समर्थकों तथा कट्टर हिंदूवादियों का उत्साह आसमान पर है। वैसे तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक प्रमुख मोहन भागवत कहते हैं कि 'ज़रूरी नहीं कि रोज किसी धर्म स्थल की खुदाई की जाये,' लेकिन प्रति दिन देश की किसी न किसी मुस्लिम शासनकाल की इमारत के नीचे भाजपाइयों-संघियों या अनुषांगिक संगठनों से जुड़े लोगों को मंदिर या हिन्दू धर्म स्थल दिखलाई पड़ता है।

भारतीय आकांक्षाओं के अनुरूप दंड विधान

के.पी. सिंह

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 3 दिसम्बर को चंडीगढ़ में एक भव्य समारोह में नए आपराधिक कानूनों के सफल कार्यान्वयन को राष्ट्र को समर्पित किया। गृहमंत्री ने नए कानूनों को लागू करने वाली पहली इकाई होने के लिए चंडीगढ़ पुलिस की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि अगले 3 वर्षों में ये कानून पूरे देश में लागू हो जाएंगे। इस प्रक्रिया में आपराधिक न्याय प्रणाली के विभिन्न स्तम्भों के बीच समन्वय और बुनियादी ढांचे के निर्माण तथा कई पोर्टलों के साथ डेटाबेस का एकीकरण जैसी समय लेने वाली प्रक्रिया शामिल है।

गृहमंत्री ने कहा कि इन कानूनों को लागू करने के लिए 11,34,698 पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया है और 1 जुलाई, 2024 के बाद कानून के नए प्रावधानों के अन्तर्गत 11 लाख से अधिक आपराधिक मामले दर्ज किए जा चुके हैं, जिनमें से 9500 मामलों में पहले ही फैसला आ चुका है। इन नई कानूनी प्रक्रियाओं का ऐसा प्रभाव है कि चंडीगढ़ पुलिस ने नई योजना के बाद निर्धारित किए गए सभी मामलों में 85 प्रतिशत सजा की दर प्राप्त कर ली है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज लोगों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था जब वे भारतीय आत्मा के साथ नए युग के दण्ड विधानों को अपनाने के साक्षी बने हैं। जन-केन्द्रित और न्याय-उन्मुख दृष्टिकोण को अपनाते हुए नए कानून दमन और प्रतिशोध पर आधारित औपनिवेशिक कानूनों का स्थान लेंगे।

इस अवसर ने न्याय प्रक्रिया से जुड़े पेशेवरों को नए कानूनों के लागू होने के बाद से उनके कामकाज के परिचालन ऑडिट करने का मौका भी प्रदान किया, ताकि बाधाओं और कमियों की पहचान की जा सके और भविष्य में उनके निराकरण के उपाय सुझाए जा सकें। उनके अनुसार कानून निर्वात में क्रियान्वित नहीं किए जा सकते।

इस तथ्य से कोई इंकार नहीं कर सकता है कि पुलिस जांच अधिकारियों ने सभी मामलों में आपराधिक कानूनों की नई धाराओं का उपयोग करना शुरू कर दिया है, हालंकि सफल क्रियान्वयन का अर्थ इससे कहीं अधिक होता है। जिसमें इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे का निर्माण करके आपराधिक न्याय प्रणाली के प्रस्तावित डिजिटलीकरण के सपने को पूरा करना महत्वपूर्ण है। इसके लिए कर्मचारियों की भर्ती और प्रशिक्षण की आवश्यकता होगी। हितधारकों के बीच सम्पर्क और समन्वय के लिए अपराध और अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम (सीसीटीएनएस) और अन्तर-संचालनीय आपराधिक न्याय प्रणाली (आईसीजेएस) से सम्बन्धित सॉफ्टवेयर को उन्नत करना भी उतना ही जरूरी है।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) में परिकल्पित कई नई अवधारणाओं के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए नियम और उप-नियम बनाना सफलता की कुंजी साबित होगी। प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) का ई-पंजीकरण, समन और वारंट की ई-सेवा, जीरो एफआईआर, गवाह सुरक्षा योजनाएं, सामुदायिक सेवा की सज़ा, दोषी की अनुपस्थिति में मुकदमा, अपराधों से अर्जित सम्पत्ति की जब्ती, माल-मुकदमों की सम्पत्तियों का समयबद्ध निपटान, अपराध पीड़ितों के साथ जब्त सम्पत्ति को साझा करना, सजा में कमी, वीडियोग्राफी फुटेज का भण्डारण आदि से सम्बन्धित प्रावधानों को लागू करना तब तक वास्तविकता नहीं होगी जब तक कि राज्यों द्वारा संचालन प्रोटोकॉल और नियम तुरंत तैयार नहीं किए जाते। ऐसे नियमों व प्रोटोकॉल के अभाव में, नए कानूनों की नवीन अवधारणाएं केवल कागजों तक सीमित ही रह जाएंगी।

गृहमंत्री ने फोरेंसिक विशेषज्ञों को आपराधिक न्याय प्रणाली के पांचवें स्तम्भ की संज्ञा दी है। अब तक न्यायवैधिक विज्ञान प्रयोगशालाओं (एफएसएल) का नेटवर्क बहुत कम है। नए कानूनों के अनुसार, 7 साल से अधिक की सज़ा वाले सभी अपराधों के घटनास्थलों पर फोरेंसिक विशेषज्ञों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए, न्यायवैधिक प्रयोगशालाओं का पुलिस थाना स्तर तक विस्तार बेहद जरूरी है। वर्तमान में फोरेंसिक विशेषज्ञों की सीमित उपलब्धता के मद्देनज़र यह एक बहुत ही कठिन कार्य प्रतीत होता है। यह सत्य है कि किसी भी नए कानून को परिपक्व होने और उसके प्रवर्तन को प्रणालियों में मजबूत जड़ें जमाने में दशकों लग जाते हैं। समय पर समीक्षा, कानूनों में जरूरत के हिसाब से फेरबदल और कड़ी निगरानी किसी भी अधिनियम की सफलता की कुंजी है। यह भी समझना होगा कि राज्यों के पास पर्याप्त वित्तीय संसाधन नहीं हैं और उनके पास सीमित तकनीकी और कानूनी जानकारी है। नए आपराधिक कानूनों का समय पर सार्थक कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए राज्यों को हमेशा केन्द्रीय एजेंसियों से सहायता की दरकार होगी। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा है कि विधायिका ने नए आपराधिक कानून बनाकर अपना कर्तव्य निभाया है, अब न्यायपालिका, पुलिस और अन्य हितधारकों की बारी है कि वे इन कानूनों का स्वामित्व ग्रहण करें और लोगों को न्याय सुनिश्चित करने हेतु इन्हें पूर्णरूपेण लागू करें।

जीवन मंत्र स्वामी विवेकानंद

दुख से कोई अछूता नहीं

अस्थायी अनुभवों से घिरे रहकर हम सोचते हैं कि हमारा प्यार ही एकमात्र स्थायी प्यार है। यह कैसे हो सकता है? प्यार भी स्वार्थ से भरा है।

इस संसार में, जिनमें भी विवेक-शक्ति है, जिनमें थोड़ी सी भी अंतर्दृष्टि है, वे यह आसानी से जान लेते हैं कि सुख और दुख आपस में मानो गुथे हुए हैं, एक ही दूसरे में परिणत हो जाता है और इनसे संसार में कोई भी अछूता नहीं रहता। ये सबके पास आते हैं। विवेकी पुरुष देखते हैं कि मनुष्य सारा जीवन मृगजल के पीछे दौड़ता रहता है और कभी अपनी वासनाओं को पूर्ण नहीं कर पाता। एक समय महाराज युधिष्ठिर ने कहा था, 'जीवन में सबसे आश्चर्यजनक घटना तो यह है कि हम प्रतिक्षण प्राणियों को काल-कवलित होते देखते हैं, फिर भी सोचते हैं कि हम कभी नहीं मरेंगे।' चारों ओर मूर्खों से घिरे रहकर हम सोचते हैं कि हम ही एकमात्र पंडित हैं। चारों ओर सब प्रकार के अस्थायी अनुभवों से घिरे रहकर हम सोचते हैं कि हमारा प्यार ही एकमात्र स्थायी प्यार है। यह कैसे हो सकता है? प्यार भी स्वार्थ से भरा है। योगी कहते हैं, अंत में हम देखेंगे कि दोस्तों का प्रेम, संतान का प्रेम, यहां तक कि पति-पत्नी का प्रेम भी धीरे-धीरे क्षीण होकर नाश को प्राप्त हो जाता है।' नाश ही इस संसार का धर्म है- यह किसी भी वस्तु को अछूता नहीं रखता। जब मनुष्य संसार की समस्त वासनाओं में निराश हो जाता है, तब क्षण भर के लिए यह भाव स्फुरित होता है कि यह संसार भी कैसा भ्रम है! ऐसा कोई महात्मा नहीं हुआ, जिन्हें अपनी महानता पाने के लिए इंद्रिय-सुख और भोग त्यागना न पड़ा हो। दुख का कारण है, प्रकृति की विभिन्न शक्तियों का आपस में विरोध। प्रत्येक शक्ति अपनी-अपनी ओर खींचती है, और इसीलिए स्थायी सुख असंभव हो जाता है।

जीवन ऊर्जा

नोम चोम्स्की: जन्म- 7 दिसंबर, 1928 जन्म

आशावाद एक बेहतर भविष्य बनाने की रणनीति है

7 दिसंबर, 1928 को जन्मे नोम चोम्स्की एक प्रसिद्ध अमेरिकी भाषाविद्, दार्शनिक, संज्ञानात्मक वैज्ञानिक और सामाजिक आलोचक हैं। आधुनिक भाषाविज्ञान के जनक के रूप में जाने जाने वाले, उन्होंने राजनीति और दर्शन में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भाषा, मीडिया और सत्ता पर उनके कामों ने दुनिया भर की पीढ़ियों को प्रभावित किया है।

जीवन में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आप जिस पर विश्वास करते हैं, उसके लिए खड़े हों। अगर हम उन लोगों के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में विश्वास नहीं करते हैं, जिनसे हम घृणा करते हैं, तो हम इसमें बिल्कुल भी विश्वास नहीं करते हैं। आशावाद एक बेहतर भविष्य बनाने की रणनीति है। क्योंकि जब तक आप यह विश्वास नहीं करते कि भविष्य बेहतर हो सकता है, तब तक आप इसे बेहतर बनाने के लिए आगे नहीं आएंगे और इसकी जिम्मेदारी नहीं लेंगे। सच बोलना और झूठ को उजागर करना बुद्धिजीवियों की जिम्मेदारी है। समाज कैसे काम करता है, इसके मूल सिद्धांतों को समझने के लिए आपको प्रतिभाशाली होने की आवश्यकता नहीं है। आम जनता नहीं जानती कि क्या हो रहा है, और यह भी नहीं जानती कि उसे पता नहीं है। किसी भी नेता का प्राथमिक कार्य यह सुनिश्चित करना है कि सत्ता की व्यवस्थाएँ बनी रहें, चाहे वे कितनी भी हानिकारक क्यों न हों। परिवर्तन जीवन का नियम है। लेकिन सावधान रहें, आप खुद को बदले बिना दुनिया को नहीं बदल सकते। जो लोग सोचते हैं कि दुनिया को बदला नहीं जा सकता, वे अतीत में ही अटके हुए हैं। ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है। हमें इस पर काम करने की आवश्यकता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि चुनौतियों की विशालता से अभिभूत न हों, बल्कि छोटे, विशिष्ट कार्यों में संलग्न हों जो अंतर ला सकते हैं। यदि आप कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त रूप से चिंतित हैं, तो आप दुनिया में बदलाव लाने में मदद नहीं कर सकते। हर बार जब हम कोई निर्णय लेते हैं, तो हम वह भविष्य चुन रहे होते हैं जिसे हम बनाना चाहते हैं। आपको अपनी बात रखने के लिए पर्याप्त साहसी होना चाहिए, भले ही आप अकेले खड़े हों। ज्ञान का सबसे बड़ा दुश्मन अज्ञानता नहीं है, बल्कि ज्ञान का भ्रम है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

ईश्वर का चरण पकड़कर ही व्यक्ति सच्ची शांति पा सकता है

ऐसी अनुभूति होने लगी कि जो कुछ है, सब ब्रह्म ही है, ब्रह्म से भिन्न कुछ है ही नहीं, तब वह अभिमान न रह करके अभिमान की श्रेष्टतम परिणति है अर्थात् ब्रह्म से एकत्व हो गया। यदि कोई अभिमान न छोड़ सके तो उससे कहना चाहिए कि तुम अभिमान को और बढ़ाओ, बढ़ाते-बढ़ाते इतना बढ़ाओ कि फिर और बढ़ाने की गुंजाइश न रह जाय। बालि ने यही किया और अंगद को बुलाकर कितनी बढ़िया बात कही कि प्रभु! आप जरा इसका हाथ पकड़ लीजिए। प्रभु ने कहा कि तुम बड़ी विचित्र बात कह रहे हो, यदि तुम अंगद से यह कहते कि मेरे चरण पकड़ो, तब तो परम्परा के अनुकूल बात होती। तुम अंगद को प्रणाम करना क्यों नहीं सिखा रहे हो? बालि ने बहुत बढ़िया बात कही कि महाराज! अंगद के द्वारा आपके चरण पकड़ने में और आपके द्वारा अंगद का हाथ पकड़ने में एक बहुत बड़ा अन्तर है। यदि अंगद पैर पकड़ेगा तो कभी छोड़ भी सकता है, पर यदि आप ही अंगद का हाथ पकड़ लें तो फिर छूटने की संभावना ही नहीं। जीव ईश्वर को पकड़े, यह भी एक भक्ति है, लेकिन यदि ईश्वर ही जीव को पकड़ ले तो इससे बढ़कर जीव का सौभाग्य नहीं हो सकता। भगवान ने अंगद की भुजा पकड़ ली। दोनों में अन्तर दिखाई पड़ा। बालि जब भी किसी को हराता तो उसको इस बात की बेचैनी हो जाती थी कि उसकी विजय को कैसे दूसरे लोग देखें? यह भी अभिमान की भावना है। अभिमानी चाहता है कि उसकी जीत को सब लोग देखें। रावण को हराने के बाद बालि ने रावण को बगल में दबा लिया और छह महीने तक घूमता रहा कि यह देख लो, मेरी विजय का प्रमाण-पत्र और अंगद कितना विनयी है कि जब रावण सचमुच हारने ही वाला था, तब अंगद ने अपने पैर को रावण द्वारा हटाने की चेष्टा करने से रोक दिया और तुरन्त कहा - गहत चरन कह बालिकुमारा।

मम पद गहें न तोर उबारा।।
गहसि न राम चरन सठ जाई।
सुनत फिरा मन अति सकुचाई।।

यही बालि और अंगद का अंतर है। अंगद को तनिक भी इच्छा नहीं हुई कि रावण के सभासद या संसार के लोग यह माने कि अंगद ने रावण से अपना पैर पकड़वा लिया, अपितु उनके अन्तःकरण में भी हनुमानजी की ही भाँति यही भावना आयी कि यदि तुम्हें सीताजी को प्राप्त करना है तो उसका उचित माध्यम मैं नहीं हूं, अपितु प्रभु श्रीराम हैं। उन्होंने रावण से यही कहा कि तुम शान्तिरूपा सीता को पाना चाहते हो और शान्ति को भी बन्दर के चरण पकड़कर पाना चाहते हो! इससे बढ़कर मूर्खता और क्या होगी? ईश्वर का चरण पकड़कर ही व्यक्ति जीवन में सच्ची शान्ति पा सकता है, अंगद यही बताना चाहते हैं। जब हनुमानजी सीताजी की खोज के लिए लंका में गये तो उसका भी अर्थ यही है कि भगवत चरणों का आश्रय ग्रहण करके ही व्यक्ति शान्ति प्राप्त कर सकता है। दोनों में, अंगद और हनुमानजी की लंका यात्रा में यही मूल तत्व सामने आता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

शख्सियत पुरव राजा

समर्पण और सफलता का प्रतीक

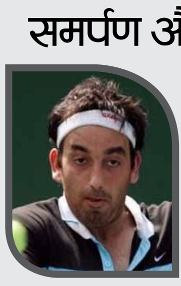

पुरव राजा, भारतीय टेनिस के एक प्रसिद्ध और प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, जिन्होंने अपनी युगल और मिश्रित युगल श्रेणियों में अपनी शानदार उपलब्धियों से भारतीय टेनिस को गौरव प्रदान किया है। वे 7 दिसंबर 1985 को मुंबई में जन्मे थे और आज एक प्रमुख भारतीय टेनिस खिलाड़ी के रूप में प्रतिष्ठित हैं। पुरव राजा की टेनिस यात्रा एक युवा खिलाड़ी के रूप में शुरू हुई थी, और उन्होंने कम उम्र में ही अपनी टेनिस के प्रति गहरी रुचि और समर्पण को दिखाना शुरू कर दिया था।

पुरव ने अपने करियर की शुरुआत युगल मुकाबलों से की और अपनी कोचिंग के लिए वे भारत और विदेशों में भी गए। उन्होंने अपनी खेल शैली में आक्रामकता और तकनीकी कौशल का मिश्रण किया, जिससे वे युगल टेनिस में एक बेहतरीन खिलाड़ी के रूप में उभरे। उनके पास उत्कृष्ट सर्व और सटीक ग्राउंडशॉट्स हैं, जो उन्हें कोर्ट पर एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी बनाते हैं।

पुरव राजा ने कई प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में सफलता प्राप्त की है। 2015 में, उन्होंने एटीपी युगल रैंकिंग में टॉप 100 खिलाड़ियों में स्थान प्राप्त किया था, जो एक बड़ी उपलब्धि थी। इसके अलावा, उन्होंने कई एटीपी और चैलेंजर टूर्नामेंट्स में युगल खिताब जीते हैं, जिसमें उनकी साझेदारी और को-ऑर्डिनेशन महत्वपूर्ण रहे हैं। उनका खेल भारतीय टेनिस को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने का एक प्रमुख कारण बना है।

पुरव की सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों तक सीमित नहीं है। वे भारतीय टेनिस में एक अग्रणी चेहरा हैं और उन्होंने अपनी उपलब्धियों से यह साबित किया है कि समर्पण और कठिनाईयों को पार करके आप किसी भी खेल में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। वे युवा खिलाड़ियों के लिए एक प्रेरणा स्त्रोत बने हुए हैं। पुरव राजा ने अपनी कड़ी मेहनत, समर्पण और मानसिक दृढ़ता से भारतीय टेनिस को न केवल देश में, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी नई ऊंचाइयां दिलाई हैं। उनका लक्ष्य भारतीय टेनिस को और भी ऊंचाइयों तक पहुचाना और भविष्य में और भी बड़ी सफलताएं हासिल करना है। उनके योगदान को देखते हुए उन्हें भारतीय टेनिस की दुनिया में एक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है, और उनका नाम हमेशा भारतीय टेनिस इतिहास में दर्ज रहेगा।

सक्सेस मंत्र

बहाने नहीं अवसर खोजिए, जरूर मिलेगी सफलता

काफी समय पहले की बात है। एक गांव में लोग श्रमदान से चौपाल बना रहे थे। काफी देर से गांव के सभी लोग काम में लगे हुए थे। इसी दौरान वहां पर एक व्यक्ति खड़ा था जोकि काफी उदास दिखाई दे रहा था। यह देखकर गांव के सरपंच से रुका नहीं गया और वह उस व्यक्ति के पास गए और बात करने लगे। उदास खड़े उस व्यक्ति से सरपंच ने कहा, 'आपको काम में हाथ बंटाना चाहिए।' उस व्यक्ति ने कहा, 'सरपंच जी मैं पिछले दो दिन से भूखा हूं।' तब सरपंच ने कहा, 'ठीक है भाई तुम मेरे घर जाकर भोजन कर लो।' इसपर वह व्यक्ति सरपंच के घर गया और उसने पेट भर के भोजन किया। भोजन करवाने के बाद सरपंच फिर एक बार व्यक्ति के पास आए और बोले कि अब तुमने भोजन कर लिया है। तुम्हारा पेट भी भर गया होगा। अब बाकी लोगों के साथ हाथ बंटाओ और काम करो। यह सुनकर वह व्यक्ति फौरन बोला कि चूंकि अब मैंने भोजन कर लिया तो मुझे नींद आने लगी है। इसलिए मैं पहले थोड़ा आराम करूंगा। इसके बाद ही कुछ अन्य काम करूंगा।

यह सुनकर सरपंच काफी निराश हुए और बोले कि पहले तुम भूखे तो मैंने भोजन कराया। अब तुम बहाने ढूंढ रहे हो। उन्होंने व्यक्ति से कहा कि किसी ने सच ही बोला है कि जो व्यक्ति बहाने खोजते हैं, वे जीवन में कभी सफल नहीं हो पाते। इसलिए लोगों को बहाने नहीं अवसर खोजने चाहिए।

यह अखबार “माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. ” के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

पंचतंत्र की कहानी

सांप और चिड़िया

एक घने जंगल में एक बड़ा और घना पेड़ था। इस पेड़ की ऊंची डालियों पर एक मेहनती चिड़िया रहती थी। उसने बड़ी लगन और मेहनत से अपना घोंसला बनाया था। इस घोंसले में वह अपने अंडे रखती और उनकी देखभाल करती। हर दिन चिड़िया अपने घोंसले से बाहर भोजन की तलाश में जाती और लौटकर अपने अंडों को संभालती।

लेकिन उस पेड़ के नीचे एक खतरनाक सांप रहता था। वह सांप चालाक और स्वभाव से क्रूर था। जैसे ही चिड़िया घोंसले से बाहर जाती, सांप मौका पाकर पेड़ पर चढ़ता और उसके अंडों को खा जाता। यह देखकर चिड़िया बहुत परेशान हो गई। हर बार अपने अंडों को नष्ट होता देखकर वह दुखी हो जाती। उसने सांप से बचने के लिए कई उपाय सोचे, लेकिन वह सांप से लड़ने में असमर्थ थी।

एक दिन चिड़िया ने इस समस्या को हल करने के लिए एक चालाक योजना बनाई। उसने सोचा कि उसे सांप से छुटकारा पाने के लिए अपनी बुद्धि का इस्तेमाल करना होगा। वह पास के राजा के महल में गई। महल के बगीचे में राजा की रानी के लिए एक कीमती हार रखा था। चिड़िया ने मौका देखकर उस हार को अपनी चोंच में उठाया और उड़कर अपने पेड़ के पास आ गई। चिड़िया ने वह हार सांप के बिल के पास गिरा दिया। फिर वह उड़कर अपने घोंसले में बैठ गई और सैनिकों के आने का इंतजार करने लगी। जब महल में हार गायब होने की खबर फैली, तो राजा ने अपने सैनिकों को तुरंत हार ढूंढने का आदेश दिया।

सैनिकों ने जंगल में खोजबीन शुरू की और हार को सांप के बिल के पास पड़ा पाया। यह देखकर सैनिकों को लगा कि हार सांप ने चुराया है। उन्होंने तुरंत बिल को खोदना शुरू किया। जैसे ही सांप बाहर निकला, सैनिकों ने उसे मार डाला और हार को महल वापस ले गए।

चिड़िया की चालाकी से सांप से छुटकारा मिल गया। अब उसका घोंसला और अंडे दोनों सुरक्षित थे। वह खुशी-खुशी अपने अंडों की देखभाल करने लगी और जल्द ही उसके बच्चे सुरक्षित घोंसले में बड़े होने लगे।

शिक्षा : बुद्धिमानी और धैर्य से हर समस्या का समाधान संभव है। कठिनाइयों में भी चतुराई से काम लेना चाहिए।

गायें और घोड़े हैं खड़े-खड़े सोने में माहिर

हम इंसान तो लेट कर भी थक जाते हैं

क्या आपने कभी गायों या घोड़ों को खड़े-खड़े सोते हुए देखा है? अगर नहीं, तो अगली बार ध्यान से देखिएगा। ये जानवर खड़े-खड़े सोने में इतने माहिर हैं कि आपको पता भी नहीं चलेगा कि वे सचमुच सो रहे हैं। सोचिए, अगर हम इंसान खड़े-खड़े सोने की कोशिश करें, तो कुछ सेकंड में ही गिर जाएं! लेकिन गायें और घोड़े इस हुनर में निपुण होते हैं। उनके पास खड़े रहने का ऐसा कमाल का तरीका है, जिससे वे गिरते नहीं हैं। गायें और घोड़े खड़े-खड़े सोने का जो तरीका अपनाते हैं, वह वाकई में कमाल का है। इंसान के लिए तो यह एक सपने जैसा है, लेकिन ये जानवर इसे अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में बेहद आसानी से कर लेते हैं। आइए, विस्तार से समझते हैं कि आखिर ये जानवर ऐसा कैसे कर पाते हैं।

खड़े-खड़े सोने का रहस्य

गायों और घोड़ों के शरीर में एक खास तरह की संरचना होती है। उनके पैरों के जोड़ यानी घुटने और एड़ी में एक लॉकिंग सिस्टम होता है। जब ये जानवर खड़े होते हैं, तो उनके पैर इस लॉक के जरिए स्थिर हो जाते हैं। इसका मतलब यह है कि इन्हें खड़े रहने के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती। उनका यह सिस्टम उनके शरीर को खड़े रहने में मदद करता है और वे आराम से खड़े-खड़े सो सकते हैं। यह लॉकिंग तरीका उनके लिए उतना ही जरूरी है, जितना इंसानों के लिए सोने के लिए बिस्तर। यह तरीका उनके शरीर को संतुलन देता है और उन्हें गिरने से बचाता है। खास बात यह है कि ये जानवर खड़े-खड़े हल्की नींद लेते हैं, लेकिन जब गहरी नींद की जरूरत होती है, तो वे थोड़ी देर के लिए बैठ जाते हैं।

खड़े होकर सोने का फायदा

गायों और घोड़ों का खड़े होकर सोने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि उन्हें किसी भी खतरे का पहले ही पता चल जाता है। जंगल में या खुले मैदान में रहने वाले इन जानवरों को हमेशा सतर्क रहना पड़ता है, क्योंकि शिकारी कभी भी हमला कर सकते हैं। खड़े रहकर वे तुरंत भागने के लिए तैयार रहते हैं। अगर ये जानवर लेटकर सोएं, तो उठने और दौड़ने में वक्त लग सकता है, जिससे शिकारी का शिकार बनना आसान हो जाता है। खड़े होकर सोने से वे हर वक्त सतर्क रहते हैं और अपनी सुरक्षा कर सकते हैं।

नीलम रामअवध

खड़े-खड़े सोने का तरीका कैसे काम करता है?

गायों और घोड़ों के पैरों में मांसपेशियां और जोड़ इस तरह से काम करते हैं कि जब वे खड़े होते हैं, तो उनका शरीर अपने आप स्थिर हो जाता है। यह स्थिरता उनके शरीर के वजन को संतुलित करती है। उनकी मांसपेशियां और जोड़ इस तरह से काम करते हैं कि वे बिना किसी अतिरिक्त मेहनत के खड़े रह सकते हैं। जब वे खड़े रहते हैं, तो उनके पैरों के घुटने और एड़ी एक जगह पर फिक्स हो जाते हैं, और वे आराम से खड़े रह सकते हैं। इस सिस्टम की वजह से वे बिना गिरने का डर महसूस किए खड़े होकर सोने में सक्षम होते हैं।

क्या ये पूरी रात खड़े रहते हैं?

नहीं, ये जानवर पूरी रात खड़े नहीं रहते। वे खड़े होकर केवल हल्की नींद लेते हैं। जब उन्हें गहरी नींद की जरूरत होती है, तो वे बैठ जाते हैं या लेट जाते हैं। लेकिन, क्योंकि वे हमेशा सतर्क रहते हैं, उनकी गहरी नींद भी बहुत लंबे समय तक नहीं चलती। उनका खड़े होकर सोना उनके जीवन का एक हिस्सा है, जो उन्हें सुरक्षित और सतर्क बनाए रखता है।

क्या और जानवर भी खड़े-खड़े सोते हैं?

गायों और घोड़ों के अलावा कई जानवर ऐसे हैं, जो खड़े-खड़े सो सकते हैं। जैसे कि ऊंट, हिरण, जिराफ, और कुछ पक्षी भी खड़े होकर सोने में सक्षम होते हैं। इन जानवरों का खड़े रहना भी उनकी सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। खासतौर पर जो जानवर खुले मैदानों में रहते हैं, उनके लिए यह आदत बेहद जरूरी होती है। जंगली पक्षी, जैसे फ्लेमिंगो, एक पैर पर खड़े होकर सोते हैं। सोचिए, अगर इंसान ऐसा करने की कोशिश करें, तो कितनी जल्दी गिर जाएं! लेकिन इन जानवरों के लिए यह एक आम बात है।

क्या इंसान भी खड़े-खड़े सो सकते हैं?

इंसानों के लिए खड़े-खड़े सोना लगभग नामुमकिन है। हमारे शरीर में ऐसा कोई सिस्टम नहीं होता, जो हमें खड़े रहकर सोने में मदद कर सके। अगर हम खड़े-खड़े सोने की कोशिश करेंगे, तो हमारी टांगें थक जाएंगी और हम गिर जाएंगे। हालांकि, कभी-कभी लोग झपकी लेते वक्त खड़े रह सकते हैं। जैसे कि बस या ट्रेन में सफर करते हुए। लेकिन यह ज्यादा देर तक मुमकिन नहीं है। इंसान के लिए लेटकर सोना ही सबसे अच्छा और आरामदायक तरीका है।

गायों और घोड़ों के खड़े-खड़े सोने से हमें क्या सीखने को मिलता है?

गायों और घोड़ों का यह तरीका हमें सिखाता है कि हर जानवर अपनी जरूरतों के हिसाब से अपनी आदतें विकसित करता है। उनका खड़ा रहकर सोना उनके जीवन का हिस्सा है, जो उनकी सुरक्षा और आराम दोनों में मदद करता है। यह हमें यह भी सिखाता है कि प्रकृति ने हर जीव को उसकी जरूरत के हिसाब से अनोखा बनाया है। गायों और घोड़ों का खड़े-खड़े सोना उनके जीवन के लिए उतना ही सामान्य है, जितना हमारे लिए बिस्तर पर लेटकर सोना। यह उनकी प्रकृति का एक अद्भुत हिस्सा है, जो हमें हैरानी के साथ-साथ उनकी अनोखी जिंदगी के बारे में जानने का मौका देता है।

प्रेरक कहानी

विक्रम और बेताल की कहानी एक प्रसिद्ध भारतीय लोककथा है जो "विक्रम बेताल" नामक ग्रंथ में वर्णित है। यह कथा राजा विक्रमादित्य और उनके साथ बेताल के रोमांचक संवादों की है। बेताल एक प्रकार का पिशाच या आत्मा होता है, जो कई रहस्यमय कहानियों के माध्यम से राजा विक्रम से ज्ञान प्राप्त करने की कोशिश करता है। यहां एक बेताल की कहानी प्रस्तुत की गई है :-

विक्रम और बेताल

न्याय का रहस्यमय निर्णय

कहानी : न्याय का निर्णय

राजा विक्रमादित्य को एक दिन एक तांत्रिक ने आदेश दिया कि वे बेताल को पकड़कर लाएं। राजा विक्रम ने बेताल को पकड़ने की कसम खाई और बेताल के शिकार पर निकल पड़े। बहुत समय बाद, राजा विक्रम बेताल को पकड़ने में सफल हो गए और उसे अपनी पीठ पर लादकर चलने लगे। इस पर बेताल ने राजा से कहा, 'राजा विक्रम, तुम मुझे छोड़ दो, मैं तुम्हें एक दिलचस्प कहानी सुनाऊँगा, और अगर तुमने सही उत्तर न दिया, तो तुम्हें मेरी बातों को सुनने के बाद अपने वचन से पीछे हटने का अधिकार नहीं होगा।' राजा विक्रम ने बेताल की बात मानी और कहा कि वह उसकी कहानी सुनने के लिए तैयार है। बेताल ने फिर यह कहानी सुनानी शुरू की :

कहानी : 'तीन भाइयों का फैसला'

बहुत समय पहले, एक नगर में तीन भाई रहते थे। वे तीनों अपने-अपने काम में माहिर थे और एक-दूसरे से बहुत प्यार करते थे। वे अपने घर का खर्चा भी मिलकर चलाते थे। एक दिन, उनके गाँव में एक न्यायाधीश आए और उन्होंने एक बड़ा पुरस्कार घोषित किया - वह पुरस्कार किसी ऐसे व्यक्ति को मिलेगा, जो इस कठिन समस्या का हल निकालेगा: 'एक आदमी ने अपने भाई को मार दिया है, लेकिन यह हत्या किसी कारण से नहीं हुई थी, बल्कि यह सोचा गया था कि वह जीवित नहीं बच सकता था।' अब प्रश्न यह था कि क्या उस आदमी को सजा दी जाए या नहीं? तीनों भाई इस समस्या का समाधान करना चाहते थे। पहले भाई ने कहा, 'अगर यह हत्या हुई है, तो उसे सजा मिलनी चाहिए।' दूसरे भाई ने कहा, 'अगर यह जानबूझकर नहीं किया गया, तो दोषी को सजा नहीं दी जा सकती।' तीसरे भाई ने कहा, 'यह एक जटिल मामला है, इसमें केवल न्याय के सिद्धांत से काम नहीं चल सकता, बल्कि हमें इसके कारण को भी समझना होगा।'

कई दिन तक बहस के बाद, निर्णय लिया गया कि वह व्यक्ति दोषी नहीं था, क्योंकि उसने अपने भाई को जानबूझकर नहीं मारा था, बल्कि यह एक दुखद दुर्घटना थी।

प्रश्न : अब, राजा विक्रम से बेताल ने पूछा, 'तुम बताओ, क्या उस व्यक्ति को सजा दी जानी चाहिए या नहीं?'

राजा विक्रम ने बिना समय गंवाए उत्तर दिया, 'वह व्यक्ति निर्दोष था, क्योंकि यह हत्या जानबूझकर नहीं की गई थी, बल्कि यह एक दुर्घटना थी। इसलिए उसे सजा नहीं दी जानी चाहिए।'

बेताल ने राजा की बुद्धिमत्ता की सराहना की, और कहा, 'तुमने सही उत्तर दिया है, राजा विक्रम, परंतु तुमने एक और बात नहीं समझी। यह समस्या सिर्फ न्याय से नहीं जुड़ी थी, बल्कि यह भी दिखाती थी कि जब हम किसी के साथ कुछ गलत होते हुए देखते हैं, तो हमें पहले उसके कारणों को समझने की कोशिश करनी चाहिए।'

बेताल की यह बात सुनकर राजा विक्रम ने समझा कि न्याय के साथ-साथ हमें समझदारी और सहानुभूति से भी काम लेना चाहिए। इस तरह, बेताल ने फिर से राजा को छोड़ दिया और चुपचाप जंगल में उड़ गया।

यह थी विक्रम और बेताल की एक कहानी, जिसमें बेताल ने राजा विक्रम से महत्वपूर्ण शिक्षा दी और न्याय की गहराई को समझाने की कोशिश की।

कविता

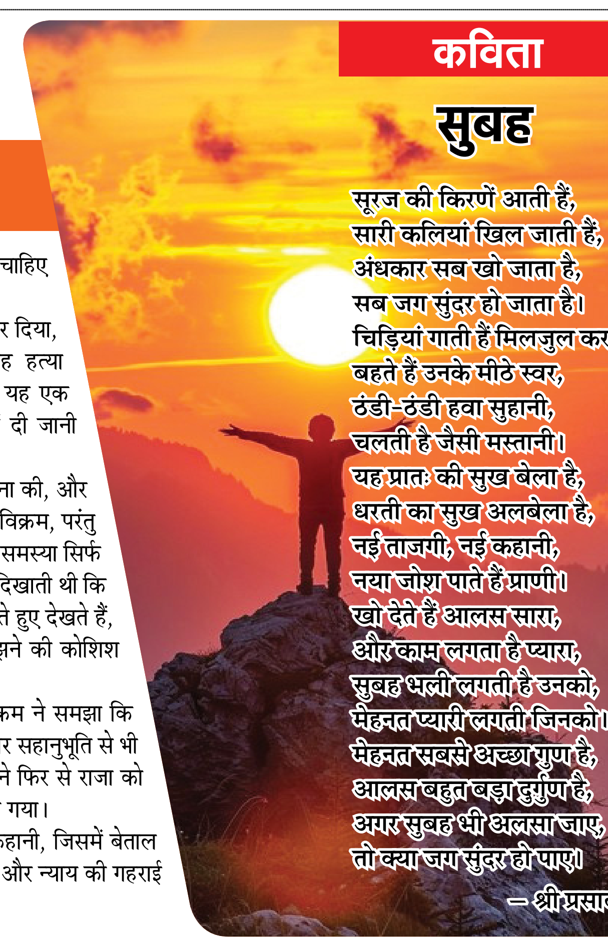

सुबह

सूरज की किरणें आती हैं,
सारी कलियां खिल जाती हैं,
अंधकार सब खो जाता है,
सब जग सुंदर हो जाता है।
चिड़ियां गाती हैं मिलजुल कर,
बहते हैं उनके मीठे स्वर,
ठंडी-ठंडी हवा सुहानी,
चलती है जैसी मस्तानी।
यह प्रातः की सुख बेला है,
धरती का सुख अलबेला है,
नई ताजगी, नई कहानी,
नया जोश पाते हैं प्राणी।
खो देते हैं आलस सारा,
और काम लगता है प्यारा,
सुबह भली लगती है उनको,
मेहनत प्यारी लगती जिनको।
मेहनत सबसे अच्छा गुण है,
आलस बहुत बड़ा दुर्गुण है,
अगर सुबह भी अलसा जाए,
तो क्या जग सुंदर हो पाए।

– श्री प्रसाद

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष — बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। लाभ के मौके बार-बार प्राप्त होंगे। विवेक का प्रयोग करें। बेकार बातों में समय नष्ट न करें। निवेश शुभ रहेगा।

वृष — कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। कोई बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। किसी विशेष क्षेत्र में सामाजिक कार्य करने की इच्छा रहेगी।

मिथुन — आज धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कोर्ट व कचहरी के अटके कामों में अनुकूलता आएगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें।

कर्क — बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

सिंह — कोर्ट व कचहरी में लंबित कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

कन्या — रोजगार में वृद्धि तथा बेरोजगारी दूर होगी। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें। संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। झंझटों से दूर रहें।

तुला — किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

वृश्चिक — व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है। दुःखद समाचार की प्राप्ति संभव है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। बेवजह विवाद की स्थिति बन सकती है। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे।

धनु — जल्दबाजी में कोई काम न करें। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। कुंआरों को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी।

मकर — किसी भी निर्णय को लेने में जल्दबाजी न करें। लेन-देन में सावधानी रखें। थकान व कमजोरी महसूस होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। कारोबार में मनोनुकूल लाभ होगा। प्रमाद न करें।

कुंभ — व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है। परिवार में मनमुटाव हो सकता है। सुख के साधनों पर व्यय सोच-समझकर करें। निवेश करने से बचें। व्यापार ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी।

मीन — अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। घर-बाहर सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। बेरोजगारी दूर होगी। अचानक कहीं से लाभ के आसार नजर आ सकते हैं।

भोजन द्वारा ग्रह मजबूत करें

सूर्य :- सूर्य अगर मजबूत हो तो हमें मान-सम्मान, सुख-समृद्धि मिलती है, पिता का संग और सहयोग मिलता है। अगर सूर्य कमजोर हो तो मुंह में थूक ज्यादा बनेगा, होठों के किनारों पर थूक इकट्ठा हो जाता हैं। पिता से नहीं बनेगी, सरकार से या सरकारी नौकरी में सस्पेंड होना या झूठे आरोप लगना, मान सम्मान को ठेस पहुंचना आदि परेशानी रहेगी। सूर्य को बल देने के लिए चोकर वाले आटे की रोटी खाएं, फल अधिक खाएं निहार मुंह गुड़ खाकर ऊपर से पानी पीयें, ग्वारपाठा का सेवन करें रोजाना व्यायाम करें सूर्य को जल दें।

चन्द्र :- मां से दूरी बन जाए, जातक वहमी हो जाए, हाथ-पैर शिथिल पड़ जाएं, चेहरे पर दाग-धब्बे पड़ जाएं, मन में उमंग खुशी न रहे तो समझें चंद्रमा खराब है।

चंद्रमा को ठीक करने के लिए दूध में हरी इलायची डालकर पियें, खीर खाएं, केवडा डालकर और चांदी के गिलास में पनीर और दूध पिए लीची, पनीर, नारियल खाए और मखाने की खीर खाने से चन्द्र मजबूत होता है। जंक फूड खाने से बचें क्योंकि इससे राहू एक्टिव हो जाता है।

मंगल :- जल्दी थकना, भाई-बहन से झगड़ा हो या दूरी बन जाए, चोट ज्यादा लगे हड्डियों का टूटना शरीर में खून की कमी हो जाए और शरीर में ऊर्जा की कमी रहें, तो समझ लें मंगल खराब हैं पपीता, चुकंदर खाने से मंगल मजबूत होता है। गुड़ डालकर मीठी लस्सी पिए, मंगल मजबूत होगा। लौकी, तौरी की सब्जी खाएं।

बुध :-बुध कमजोर होगा तो दांत खराब होंगे, जातक अपने विचारों को अभिव्यक्त नहीं कर पायेगा, स्किन (त्वचा) के रोग हो जाते हैं, बुद्धि खराब हो जाती है, मेमोरी कम हो जायें। इसके लिए हरी मिर्च, आंवला, हरी सब्जियों का खूब सेवन करें तांबे के बर्तन में रखा हुआ जल पिए।

गुरुः-गुरु खराब हो तो जातक मोटा होता चला जाता है, आपसी रिश्ते बिगड़ जाते है लीवर खराब हो जाता है अस्थमां सांस की बीमारी हो जाती है। इसके लिए अनार और पपीता, गन्ना खाएं, गुड खाएं। सूर्य अगर सम्मान देता है, तो गुरु उस सम्मान को बनाए रखता है, इसलिए गुरु को मजबूत रखें सांस की बीमारी हो तो रात को दूध में दो चुटकी हल्दी डालकर पिए. केला के सेवन से भी गुरु मजबूत होता है।

प्रियंका जैन
9769994439

शुक्र :- शुक्र खराब हो तो तन, मन, धन सब पर ग्रहण लग जाता है धन, वैभव, ऐश्वर्य सभी कुछ शुक्र अच्छा हो, तो ही मिलता है अतः शुक्र को बली रखने के लिए साबूदाने की खीर खाएं, पनीर खाएं, छेना तथा छेने की बनी मिठाइयां खाए, दूध पछाड़कर उस पानी को पीने से भी शुक्र मजबूत होता है।

शनि : व्यावहारिक जीवन में कुछ पाना है तो शनि मजबूत होना चाहिए उड़द, राजमा, खाये चावल आदि में (लौंग) डालकर खाएं, राई का पानी पियें, शनि मजबूत होगा।

खबर संक्षेप

छह महीने तक सरकारी कर्मचारियों के हड़ताल करने पर रोक

लखनऊ। यूपी में सरकारी कर्मचारी व सरकारी सेवाओं से जुड़े कर्मचारी अगले छह महीनों तक हड़ताल नहीं कर सकेंगे। इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। यह आदेश उत्तर प्रदेश अत्यावश्यक सेवाओं के अनुरक्षण अधिनियम, 1966 की धारा तीन की उपधारा के अधीन शक्तियों का प्रयोग करके जारी किया गया है। आदेश में कहा गया है कि यूपी सरकार से जुड़ी किसी भी सेवा, सरकार के नियंत्रण और स्वामित्व से जुड़ी सेवाओं से जुड़े अधिकारी व कर्मचारी आगामी छह महीने तक किसी भी तरह से हड़ताल नहीं कर सकेंगे। आदेश में कहा गया है कि यह निर्णय लोकहित में लिया गया है।

10 फीट तक सोने से मढ़ा होगा राम मंदिर का शिखर

अयोध्या। राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक के दूसरे दिन नृपेंद्र मिश्र शुक्रवार को निर्माण कार्यों की समीक्षा करेंगे। उन्होंने इससे पहले बताया कि निर्माण कार्यों की प्रगति संतोषजनक है। मजदूरों की संख्या बढ़ी है लेकिन अपेक्षाकृत अभी मजदूरों की कमी है। पहली प्राथमिकता मंदिर निर्माण पूरा करना है, जो 15 मार्च तक पूरा हो जाएगा। उसी के साथ सप्त मंदिरों का भी काम पूरा किया जा रहा है। प्रयास है कि मार्च तक परकोटा का तीन चौथाई काम पूरा हो जाए। उन्होंने बताया कि लोअर प्लिंथ में 500 फीट लंबाई में आर्ट वर्क पूरा हो गया है। पत्थरों पर रामकथा के प्रसंग उकेरे जा रहे हैं। तीर्थयात्री सुविधा केंद्र, फायर स्टेशन और वॉटर प्लाट आदि जो परियोजना है। कोशिश है कि उसे जनवरी तक ट्रस्ट को हैंडओवर कर दिया जाए।

निकोबार द्वीप पर 5000 साल पहले पहुंचे इंसान

वाराणसी। आज से 5000 साल पहले निकोबार द्वीप समूह पर इंसानों की बसावट हुई। कार निकोबार और ग्रेट निकोबार सहित सात बड़े द्वीप से बने निकोबार के मूल निवासियों की अनुमानित संख्या लगभग 25,000 है। बीएचयू समेत देश भर के 12 वैज्ञानिकों की एक टीम ने एक महत्वपूर्ण आनुवंशिक अध्ययन से निकोबार के लोगों की आनुवंशिक उत्पत्ति के बारे में जानकारी इकट्ठा की है। यह आनुवंशिक विश्लेषण में बीएचयू से प्रो. ज्ञानेश्वर चौबे और सीएसआईआर-सीसीएमबी, हैदराबाद के डॉ. के. थंगराज की टीम ने इस खोज में 5 लाख से ज्यादा डीएनए मार्करों का उपयोग करके किया है।

एक्सप्रेसवे पर पलटी स्लीपर बस

- आठ यात्रियों की मौत और 40 घायल
- अस्पताल में भर्ती

एजेंसी | कन्नौज

कन्नौज जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर लखनऊ से दिल्ली जा रही तेज रफ्तार स्लीपर बस अचानक पलट गई हादसे में आठ यात्रियों की मौके पर मौत हो गई, जबकि 40 से अधिक सवारियां घायल हो गई। घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज सैफई, राजकीय मेडिकल कॉलेज तिर्वा तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सौरिख में भर्ती कराया गया है। शुक्रवार दोपहर बाद लखनऊ से दिल्ली जा रही स्लीपर बस सौरिख थाना क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर किलोमीटर 140 के समीप अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बस में सवार आठ यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 40 से अधिक सवारियां घायल हो गई।

हादसे में आठ लोगों की मौत

घटना की जानकारी पाकर जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद, सौरिख थाना प्रभारी जयप्रकाश शर्मा भी मौके पर पहुंच गए। एसपी ने बताया कि हादसे में आठ यात्रियों की मौत हो गई, जिसमें एक महिला है। अभी घायलों का इलाज किया जा रहा है। हादसे में बस के चालक की भी मौत हो गई है।

बस के शीशे तोड़कर यात्रियों को बाहर निकाला

घायल यात्रियों ने बताया कि चालक को झपकी आने के कारण बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर लगे पौधों में सिंचाई कर रहे टैंकर से जा टकराई और पलट गई। हादसे के बाद बस में चीख पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने बस के शीशे तोड़कर यात्रियों को बाहर निकाला। मौके पर यूपीडा की टीम और पुलिस भी पहुंच गई। सभी घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया।

मंत्री भी पहुंचे, घायलों को भिजवाया अस्पताल

एक्सप्रेस वे पर गुजर रहे प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने सभी घायलों को अस्पताल भिजवाया और उनका अच्छे से इलाज करने के निर्देश दिए। मंत्री ने डीएम से भी बात की और हादसे की जांच करने के निर्देश दिए हैं।

पलामू में TSPC का उग्रवादी गिरफ्तार

- गांव वालों से बदला लेने के लिए ज्वॉइन किया था संगठन

पलामू। पलामू के नौडीहा बाजार से पुलिस ने टीएसपीसी के सक्रिय सदस्य जितेंद्र सिंह उर्फ मंत्री उर्फ अभियंता को गिरफ्तार करने में सफलता पायी है। इस संबंध में एएसपी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि उसने ग्रामीणों से बदला लेने के लिए इस उग्रवादी संगठन को ज्वॉइन किया था। दरअसल, पुलिस को शुक्रवार सुबह गुप्त सूचना मिली थी कि टीएसपीसी का सक्रिय सदस्य जितेंद्र सिंह नौडीहा बाजार के बाराखांड़ डैम के पास आने वाला है। सूचना के बाद एक स्पेशल टीम का गठन किया गया। एएसपी के निर्देश पर पुलिस जब उस जगह पर पहुंची तो देखा कि एक आदमी भोरहा पहाड़ी की ओर से चला रहा है। पुलिस को देखकर वह शख्स भागने लगा।

नगीना व आक्रमण ग्रुप के लिए करता था काम

पलामू एएसपी ने बताया कि वह नगीना व आक्रमण ग्रुप के लिए काम करता है। इसके ग्रुप में करीब 10 सदस्य हैं। जिसमें से आठ सदस्य के पास हथियार है। वह उग्रवादियों के लिए मुखबिरी का भी काम कर चुका है। एएसपी ने बताया कि जितेंद्र सिंह के खिलाफ नौडीहा बाजार थाना में दो मामले दर्ज हैं। जबकि छतरपुर थाना में इसके विरुद्ध चार मामले दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि 20 मई को सलैया खुर्द में आपसी विवाद को लेकर उन्होंने ग्रामीणों को बेरहमी से पीटा था।

एक साथ उठी मां-बेटे की अर्थी तो फटा कलेजा

- पिता ने दी मुखाग्नि, आरोपी फरार

मुजफ्फरपुर। छोटे झगड़े कब बड़े विवाद का रूप ले लेते है और इससे पूरा घर तबाह हो जाता है, इसका ताजा उदाहरण मुजफ्फरपुर से सामने आया है। जहां पानी बहाने और नाला के विवाद में मां-बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या करने वाला भी कोई और नहीं बल्कि परिवार के लोग ही है। दरअसल, बुधवार शाम को मामूली विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया और बाप-बेटे ने मिलकर बड़े भाई की पत्नी और बेटे को मौत के घाट उतार दिया।

घर में घुसकर मारी गोली

जिले के भगवानपुर, खबड़ा, गोबरसही, मझौलिया से लेकर पताही तक का पंचायत क्षेत्र शहरी रूप ले चुका है। लेकिन जिला प्रशासन की अनदेखी की वजह से पानी निकासी की समस्या गहरी होती जा रही है। अधिकतर मोहल्लों में रोड के साथ नाले नहीं है, जिससे स्थिति यह हो गई कि कई मोहल्लों में नाली का पानी रोड पर बहाया जाता है।

झारखंड में घट रहा अधिकतम तापमान

8 दिसंबर को 11 और 9 को 21 जिलों में होगी बारिश, बढ़ेगी ठंड

रांची। झारखंड में अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। 2 दिन की बारिश से झारखंड में ठंड का दौर आने वाला है।

इससे पहले रांची का उच्चतम पारा 0.4 डिग्री सेंटीग्रेड, जमशेदपुर का 0.8 डिग्री, डालटेनगंज का 0.2 डिग्री और बोकारो का 1 डिग्री सेंटीग्रेड घट गया है। जमशेदपुर के न्यूनतम तापमान में 1.4 डिग्री, डालटेनगंज का 0.7 डिग्री, बोकारो का 0.9 डिग्री और चाईबासा का 0.4 डिग्री सेंटीग्रेड की गिरावट आई है।

8 दिसंबर को पश्चिमी झारखंड और उससे सटे जिलों में वर्षा संभव

मौसम विभाग ने कहा है कि 8 दिसंबर को झारखंड के 11 जिलों में और 9 दिसंबर को 21 जिलों में वर्षा होगी। राज्य के पश्चिमी और उससे सटे जिलों में कहीं-कहीं हल्की वर्षा होने की संभावना है। अगले दिन 9 दिसंबर को 21 जिलों में वर्षा होगी। राज्य के उत्तरी-पश्चिमी हिस्से को छोड़ पूरे झारखंड में बारिश होने की संभावना मौसम विभाग ने जताई है। कुछ जगहों पर हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होने की भी संभावना है। इस दौरान कोहरा या धुंध छाया रह सकता है।

24 घंटे में 2 से 3 डिग्री तक तापमान में आएगी गिरावट

अगले 24 घंटे के दौरान न्यनतम तापमान में 3 डिग्री तक की गिरावट होने की संभावना जताई जा रही है। इसके बाद फिर तापमान में 3 से 4 डिग्री की वृद्धि होगी। हालांकि, 7 दिसंबर को मौसम शुष्क रहेगा। सुबह में कोहरा/धुंध छाया रहेगा। बाद में आसमान साफ हो जाएगा।

कैबनेट की बैठक से पहले हेमंत सोरेन सरकार एक्शन मोड में, लिया बड़ा फैसला

एजेंसी | रांची

झारखंड में मंत्रियों के शपथ ग्रहण के बाद होने वाली पहली कैबिनेट से पहले हेमंत सोरेन सरकार एक्शन मोड में आ गई है। सरकार ने तीन बड़े फैसले किए हैं। ये फैसले झारखंड आंदोलनकारियों से जुड़ा है। अलग झारखंड राज्य के लिए आंदोलन करने वालों की 30वीं सूची को मंजूरी दे दी गई है। आंदोलनकारियों के आश्रितों और आंदोलनकारियों के लिए पेंशन की राशि तय कर दी गई है। साथ ही आंदोलनकारियों को सम्मानित करने का भी फैसला किया गया है।

144 आंदोलनकारियों को 7000 रुपए मासिक पेंशन

झारखंड सरकार के 11 मंत्रियों के शपथ ग्रहण के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड आंदोलनकारी चिह्नितीकरण आयोग रांची की ओर से चिह्नित किए गए 299 आंदोलनकारियों की 30वीं संपुष्ट सूची को मंजूरी दे दी। 144 चिह्नित आंदोलनकारियों / आश्रितों को 3500 रुपए और एक आंदोलनकारी / आश्रित को 7000 रुपए मासिक पेंशन मिलेगी।

154 आंदोलनकारियों को किया जाएगा सम्मानित

इतना ही नहीं, 154 आंदोलनकारियों को प्रतीक चिह्न और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया जाएगा। इन सभी को 20 अप्रैल 2021 से सरकार द्वारा अनुमान्य सभी सुविधाएं दी जाएंगी। ज्ञात हो कि झारखंड में शुक्रवार (6 दिसंबर) को अपराह्न 3:00 बजे से झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन) के मंत्रिपरिषद कक्ष में बैठक होगी।

व्यापार जगत

सुजुकी की कारें खरीदना हुआ महंगा

- 1 जनवरी से 4% तक बढ़ जाएंगे दाम

मुंबई। मारुति सुजुकी की कार लेने की योजना बना रहे लोगों के लिए बड़ी खबर आई है। देश में सबसे ज्यादा गाड़ियां बेचने वाली कंपनी Maruti Suzuki ने अपने वाहनों की कीमतों में इजाफा करने का एलान किया है। दिग्गज कार कंपनी के वाहनों की कीमतों में जल्द बढ़ोतरी हो सकती है। कंपनी ने खुद इसका एलान किया है। वाहनों की कीमतें बढ़ाने वाली मारुति सुजुकी दूसरी कंपनी बन गई है। इससे पहले हुंडई मोटर इंडिया ने भी अपनी गाड़ियों की कीमतें बढ़ाने का एलान किया था। मारुति ने शुक्रवार (6 दिसंबर) को शेयर बाजार को भेजी सूचना में यह जानकारी दी। हालांकि, कंपनी ने यह तो नहीं बताया कि किस गाड़ी का प्राइस कितना बढ़ेगा। लेकिन यह जरूर बताया कि कीमतों में 4% तक बढ़ोतरी होने की उम्मीद है और यह मॉडल के आधार पर अलग-अलग होगी।

इस वजह बढ़ाई वाहनों की कीमत

मारुति सुजुकी ने कहा, "बढ़ती इनपुट लागत और परिचालन के खर्चों को देखते हुए कंपनी ने 2025 से अपनी कारों की कीमतें बढ़ाने की योजना बनाई है। कंपनी हमेशा लागत को कम रखने और इसके प्रभाव को ग्राहकों तक कम करने का प्रयास करती है। मगर बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा बाजार में डालने की आवश्यकता हो सकती है।

हुंडई ने भी किया गाड़ियों के दाम बढ़ाने का एलान

इससे पहले हुंडई भी अपनी गाड़ियों की कीमत बढ़ाने का एलान कर चुकी है। हुंडई मोटर इंडिया (HMIL) ने गुरुवार को कहा कि 1 जनवरी, 2025 से सभी मॉडल रेंज में कीमतों में 25,000 रुपये तक की बढ़ोतरी की जायेगी। कंपनी के मुताबिक़, इनपुट की बढ़ती लागत और हाई लॉजिस्टिक्स खर्चों की वजह से कीमतों में बढ़ोतरी करनी पड़ रही है। बता दें कि एल्यूमीनियम की कीमतों में सालाना आधार पर 10.6 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। यह मेटल ऑटोमोबाइल विनिर्माण के लिए एक प्रमुख इनपुट है। इसका व्यापक रूप से इंजन भागों और हल्के वाहन फ्रेम के लिए उपयोग किया जाता है।

एनआरआई की 'हो गई अब बल्ले बल्ले'

मुंबई। शुक्रवार को रिज़र्व बैंक के गर्वनर शक्तिकांत दास ने भारत में बसे भारतीयों के लिए एक अहम घोषणा करते हुए विदेशी मुद्रा जमा पर ब्याज दर की सीमा बढ़ाने का ऐलान कर दिया। इसके बाद प्रवासी भारतीयों को अपने भारतीय बैंक के खातों में जमा राशि पर ज्यादा ब्याज़ मिलेगा। लेकिन ये योजना केवल अगले वर्ष 31 मार्च तक ही उपलब्ध होगी। शुक्रवार से बैंकों को अब 1 वर्ष से लेकर 3 वर्ष से कम अवधि की नई FCNR(B)जमाराशियां Overnight Alternative Reference Rate (ARR) Plus प्लस 400 बेसिस प्वाइंट्स से अधिक नहीं, ब्याज दर पर जुटाने की अनुमति दे दी गई है, पहले यह सीमा केवल 250 बेसिस प्वाइंट्स थी।

जेपी मॉर्गन ने अदाणी के चार बॉन्ड को 'ओवरवेट' रेटिंग दी

- ऋण दबाव कम होने की उम्मीद

वाशिंगटन। अमेरिकी निवेश बैंकर जेपी मॉर्गन ने अदाणी समूह के चार बॉन्ड को 'ओवरवेट' रेटिंग दी है। इस रेटिंग का मतलब है कि बॉन्ड का प्रदर्शन बेहतर रहेगा। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि कंपनी में आंतरिक नकदी प्रवाह का इस्तेमाल करके मात्रा और वृद्धि करने की क्षमता है, जिससे ऋण दबाव की गुंजाइश कम हो जाती है। जेपी मॉर्गन ने एक रिपोर्ट में अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड के तीन बॉन्ड निर्गम और अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड (अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड की एक सहायक कंपनी) के एक बॉन्ड को 'ओवरवेट' रेटिंग दी। इसने अदाणी के अन्य पांच बॉन्ड पर तटस्थ रुख अपनाया है और अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के एक बॉन्ड पर 'अंडरवेट' है।

तीन तरह की रेटिंग

जेपी मॉर्गन बॉन्ड के लिए तीन तरह की रेटिंग देता है – 'ओवरवेट' रेटिंग, जो खरीद की श्रेणी में आती है, 'तटस्थ' रेटिंग जो यथास्थिति को दर्शाती है, और 'अंडरवेट' रेटिंग जो बेचने की श्रेणी में आती है। जोखिम के बारे में इसमें कहा गया है कि यदि अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) और न्याय विभाग के अदाणी समूह के संस्थापक चेयरमैन गौतम अदाणी और अन्य पर रिश्वित देने के आरोपों का त्वरित समाधान होता है।

लोन महंगा नहीं, न EMI बढ़ेगी

- RBI ने रेपो रेट 6.5% पर बरकरार रखा

मुंबई। आपके मौजूदा लोन महंगे नहीं होंगे, न ही आपकी EMI बढ़ेगी। ऐसा इसलिए, क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने ब्याज दरों को 6.5% पर बरकरार रखा है। सेंट्रल बैंक ने लगातार 11वीं बार दरें नहीं बदली हैं। आखिरी बार फरवरी 2023 में ब्याज दर 0.25% बढ़ाकर 6.5% की गई थी। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (MPC) की मीटिंग में लिए गए फैसलों की जानकारी दी। यह मीटिंग हर दो महीने में होती है। RBI ने महंगाई बढ़ने की आशंका भी जताई है, जिससे इकोनॉमिक ग्रोथ पर निगेटिव असर पड़ सकता है।

RBI की मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग में आम आदमी को क्या मिला?

1. लोन ग्राहकों के लिए: RBI ने ब्याज दरों को 6.5% पर जस का तस रखा है। यानी लोन महंगे नहीं होंगे और मौजूदा लोन की EMI भी नहीं बढ़ेगी। RBI ने आखिरी बार फरवरी 2023 में दरें 0.25% बढ़ाकर 6.5% की थीं।
2. किसानों के लिए: कोलेटरल फ्री एग्रीकल्चरल लोन यानी कोई सामान गिरवी रखे बिना कर्ज देने की सीमा 1.6 लाख रुपए प्रति उधारकर्ता से बढ़ाकर 2 लाख रुपए प्रति उधारकर्ता

करने का फैसला लिया गया है। एग्री कल्चरल इनपुट कॉस्ट और ओवरऑल इन्फ्लेशन में बढ़ोतरी को ध्यान में रखते हुए यह बदलाव किया गया है। आखिरी बार इसमें 2019 में बदलाव किया गया था।
3. UPI ग्राहकों के लिए: UPI पर क्रेडिट लाइन यानी अकाउंट में पैसा न होने पर भी भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराने की इजाजत अब स्मॉल फाइनेंस बैंकों को भी दी गई है। इसकी शुरुआत सितंबर 2023 में हुई थी। तब इसे शेड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंक्स जैसे SBI, HDFC, ICICI और ऐसे ही दूसरे बड़े बैंक्स के जरिए उपलब्ध कराया गया था। RBI का कहना है कि ताजा फैसले से ज्यादा लोग वित्तीय लेनदेन की सुविधा इस्तेमाल कर सकेंगे।

सोना-चांदी के दाम में गिरावट

- सोने का भाव 301 गिरकर 76,152 पर आया
- चांदी 213 रुपए सस्ती हुई

मुंबई। सोने-चांदी के दाम में 6 दिसंबर को गिरावट देखने को मिल रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 301 रुपए गिरकर 76,152 रुपए पर आ गया है। इससे पहले सोने की कीमत 76,453 रुपए प्रति दस ग्राम थी। चांदी के दाम में भी गिरावट है। ये 213 रुपए गिरकर 90,997 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई। इससे पहले चांदी 91,210 रुपए पर थी। वहीं, 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए का और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

4 महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,770 रुपए है।
मुंबई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,620 रुपए है।
कोलकाता: 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 71,150 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 77,620 रुपए है।
चेन्नई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,620 रुपए है।

जय शाह की जगह शम्मी बने नए अध्यक्ष

एजेंसी | दुबई

जय शाह ने हाल ही में अपनी नई पारी शुरू की है। जय शाह ने आईसीसी अध्यक्ष के रूप में अपना कार्यकाल शुरू कर दिया है। वह आईसीसी की ये कुर्सी संभालने वाले 5वें भारतीय हैं। इसी बीच एशियन क्रिकेट काउंसिल को नया अध्यक्ष मिल गया है। अभी तक जय शाह इस पद पर थे। हाल ही में जय शाह ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष के रूप में तीन कार्यकाल के बाद पद खाली कर दिया था। अब उनकी जगह श्रीलंका के एक दिग्गज ने ली है।

जय शाह की जगह शम्मी बने नए अध्यक्ष

श्रीलंका के शम्मी सिल्वा ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाल लिया है, उन्होंने भारत के जय शाह का स्थान लिया है। यह एसीसी में सिल्वा की पहली भूमिका नहीं होगी, वह पहले संगठन की फाइनेंस एंड मार्केटिंग कमेटी के अध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुके हैं। बता दें, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी भी इस पद को संभालने के बड़े दावेदार माने जा रहे थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। यानी अब एशिया क्रिकेट से जुड़े हर एक बड़े फैसले श्रीलंका के शम्मी सिल्वा लेंगे। शम्मी सिल्वा ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष बनने पर कहा, 'एशियन क्रिकेट काउंसिल का नेतृत्व करना एक बड़ा सम्मान है। क्रिकेट एशिया की धड़कन है, और मैं खेल को ऊपर उठाने, उभरती प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करने और हमें एकजुट करने वाले बंधनों को मजबूत करने के लिए सभी सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।

कंगारुओं के नाम रहा एडिलेड टेस्ट का पहला दिन

दमदार गेंदबाजी के बाद की ठोस शुरुआत

- भारत ने पहली पारी में बनाए 180 रन
- नीतीश रेड्डी ने खेली 42 रन की पारी
- यशस्वी जायसवाल का नहीं खुला खाता

एजेंसी | एडिलेड

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट का आज, शुक्रवार से आगाज हुआ। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एडिलेड ओवल में खेले जा रहे इस टेस्ट के पहले दिन का खेल अब समाप्त हो गया है। दिन का खेल समाप्त होने तक ऑस्ट्रेलिया टीम पहली पारी में 94 रन पीछे है।

मिचेल स्टार्क ने 6 विकेट लिए

वॉशिंगटन सुंदर की जगह प्लेइंग 11 में एंट्री पाने वाले रविचंद्रन अश्विन ने 22 गेंदों पर 22 रन बनाए। हार्षित राणा और जसप्रीत बुमराह का खाता तक नहीं खुला। ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी ने 54 गेंदों पर 42 रन की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टार्क ने सबसे ज्यादा 6 विकेट लिए। उनके अलावा पैट कमिंस और स्कॉट बोलेंड ने 2-2 शिकार किए। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया को औसत शुरुआत मिली। 24 के स्कोर पर टीम को पहला झटका लगा। जसप्रीत बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को रोहित शर्मा के हाथों कैच आउट कराया। उन्होंने 35 गेंदों पर 13 रन बनाए।

विराट कोहली का नहीं चला बल्ला

एडिलेड में 4 शतक लगाने वाले विराट कोहली केवल 7 रन ही बना पाए। अगले ही ओवर में शुभमन गिल भी अपना विकेट गंवा बैठे। उन्होंने 51 गेंदों पर 31 रन बनाए। लोअर मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करने आए रोहित शर्मा फेल रहे। उन्होंने 23 गेंदों पर सिर्फ 3 रन बनाए। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने 21 रन की पारी खेली।

180 रन पर सिमटी भारतीय टीम

इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम पहली पारी में 180 रन पर ही ढेर हो गई। भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और मिचेल स्टार्क ने पहली ही गेंद पर यशस्वी जायसवाल को LBW आउट किया। इसके बाद केएल राहुल ने शुभमन गिल के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 69 रन जोड़े। स्टार्क ने 19वें ओवर में भारत को दूसरा झटका देकर इस साझेदारी को तोड़ा। केएल राहुल ने 64 गेंदों का सामना किया और 37 रन बनाए।

पहले दिन रिकॉर्ड 36 हजार से ज्यादा दर्शक पहुंचे

एजेंसी | एडिलेड

दूसरे टेस्ट के पहले दिन एडिलेड ओवल में 36,225 प्रशंसक पहुंचे जो दोनों टीम के बीच पांच दिवसीय मैच के दौरान स्टेडियम में दर्शकों की मौजूदगी का नया रिकॉर्ड है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार पिछला रिकॉर्ड 2011-12 की सीरीज के दौरान 35,081 दर्शकों का था। इसमें मेजबान टीम ने भारत का 4-0 से सूपड़ा साफ किया था। शुक्रवार को 53,500 दर्शकों की क्षमता वाले मैदान पर दर्शकों की भीड़ उमड़ने का अनुमान था। यह 2020 में इसी स्थान पर 36 रन पर आउट होने के बाद ऑस्ट्रेलिया में भारत का गुलाबी गेंद का पहला टेस्ट है। पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में भी पहले टेस्ट के लिए प्रशंसक रिकॉर्ड संख्या में पहुंचे थे। सीए के अनुसार पर्थ स्टेडियम में शुरुआती दो दिन में पर्थ में किसी भी टेस्ट मैच में उपस्थिति का नया रिकॉर्ड बना।

कोहली ऑफ स्टंप के बाहर कमजोरी का हल ढूंढने में विफल : मांजरेकर

एजेंसी | एडिलेड

भारत के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर का मानना है कि दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली की ऑफ स्टंप के बाहर अपनी कमजोरी को दूर करने का तरीका नहीं तलाशने की जिद के कारण उनका बल्लेबाजी औसत 50 से घटकर 48.13 पर आ गया है। कोहली ने शुरुआती टेस्ट में शतक लगाकर खेल के पारंपरिक प्रारूप में लंबे समय से चले आ रहे शतकों के सूखे को खत्म किया था। वह हालांकि दूसरे टेस्ट में अपनी लय बरकरार नहीं रख सके और सात रन पर आउट हो गए। वह वामहस्त तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की ऑफ स्टंप के बाहर उछाल लेती गेंद पर बल्ला अड़ा कर स्लिप में स्टीव स्मिथ को कैच दे बैठे। उनके आउट होने के बाद मांजरेकर ने एक्स पर लिखा, विराट का औसत अब 48 के आसपास पहुंचने का एक महत्वपूर्ण कारण ऑफ स्टंप के बाहर की कमजोरी है। इससे भी बड़ी बात यह है कि वह इससे निपटने के लिए कोई अन्य तरीका न अपनाने की जिद पर अड़े हैं।

ब्रूक के शतक से इंग्लैंड का पलड़ा भारी

- 280 रन बनाने के बाद इंग्लैंड ने कीवियों के 86 रन पर पांच विकेट चटकाए

एजेंसी | वेलिंगटन

हैरी ब्रूक (123) के आठवें शतक से इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन शुक्रवार को यहां अपना पलड़ा भारी रखा है। ब्रूक ने ओली पोप (66) के साथ पांचवें विकेट के लिए 174 रन की साझेदारी भी की। इससे इंग्लैंड की टीम 43 रन पर चार विकेट गंवाने के बावजूद 280 रन बनाने में सफल रही। न्यूजीलैंड जवाब में दिन का खेल खत्म होने तक 86 रन पर पांच विकेट गंवाकर संकट में है।

तेज गेंदबाजों का दबदबा रहा

टॉम ब्लंडेल सात रन बनाकर खेल रहे थे। रात्रि प्रहरी विल ओ रोर्के को अभी खाता खोलना है। केन विलियम्सन ने 37 और कप्तान टॉम लैथम 17 रन बना सके। न्यूजीलैंड की टीम अब भी 194 रन से पीछे है जबकि उसके पांच विकेट बचे हैं। ब्रूक ने पहले टेस्ट में भी इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। बेसिन रिजर्व में शुरुआती घंटे में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों का दबदबा रहा जिससे मेहमान टीम ने 26 रन तक तीन विकेट गंवा दिए। ब्रूक ने इसके बाद मोर्चा संभाला और चाय से पहले के अंतिम ओवर में रन आउट होने से पहले कुछ आक्रामक शॉट खेले। ब्रूक ने 37 गेंद में अर्धशतक और फिर सिर्फ 91 गेंद में शतक पूरा किया। उन्होंने पोप के साथ 37 गेंद में अर्धशतकीय और 97 गेंद में शतकीय साझेदारी पूरी की। उन्होंने 74 रन बाउंड्री से बनाए। ब्रूक के आउट होने से इंग्लैंड का स्कोर सात विकेट पर 259 रन हो गया। इसके बाद उसकी पारी को सिमटने में अधिक समय नहीं लगा। पूरी टीम 54.4 ओवर में आउट हो गई। ओ रोर्के ने पोप को रचिन रविंद्र के हाथों कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा। न्यूजीलैंड की ओर से नाथन स्मिथ ने चार जबकि ओ रोर्के ने तीन और मैट हेनरी ने दो विकेट चटकाए।

फिर चमके युवा करोड़पति वैभव सूर्यवंशी

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का बल्ला अंडर19 एशिया कप में जमकर बोल रहा है। आईपीएल ऑक्शन में करोड़पति बनने वाले सूर्यवंशी ने शुक्रवार को अपने अर्धशतक के दम पर टीम इंडिया को सेमीफाइनल में जीत दिलाई। यह उनका बैक टू बैक दूसरा अर्धशतक है। श्रीलंका को हराकर भारत ने फाइनल में जगह पक्की कर ली है।

श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। उन्होंने 46.2 ओवर में उन्होंने 173 रन बनाए और ऑलआउट हो गई। श्रीलंका की ओर से सबसे ज्यादा रन लकविन अबेयसिंगे ने बनाए। उन्होंने 110 गेंदों में 69 रन बनाए। इस पारी में दो छक्के और तीन चौके लगाए। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज शारुजन शानमुगनथन ने 42 रन बनाए। इन दोनों के अलावा केवल केविजा गमागे और कप्तान विहास ही दहाई का आंकड़ा छू सके।

खो-खो विश्व कप से पहले भारत अभ्यास शिविर करेगा आयोजित

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत खो-खो विश्व कप के शुरुआती सत्र की तैयारी के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन करेगा जिसमें 60 पुरुष और इतनी ही महिला खिलाड़ी टूर्नामेंट में मेजबान देश का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों में जगह बनाने के लिए चुनौती पेश करेंगे। भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई), भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) और खेल मंत्रालय के सहयोग से 10 दिसंबर से 11 जनवरी तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में शिविर का आयोजन करेगा। भारत 13 से 19 जनवरी तक खो-खो विश्व कप की मेजबानी करने के लिए तैयार है।

आईडब्ल्यूएफ अगले साल जून से भार वर्ग की संख्या कम करने की तैयारी में

एजेंसी | मनामा

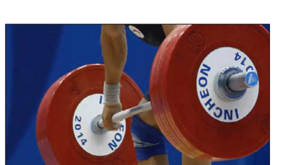

अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) ने अपने 'इनोवेशन कमिशन' के प्रस्ताव के बाद अगले साल जून से पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में भार वर्ग की संख्या 10 से घटाकर आठ करने का फैसला किया है। पुरुष वर्ग में 55 किग्रा वर्ग को खत्म कर दिया जाएगा और प्रतियोगिताएं 60 किग्रा से शुरू होंगी। साथ ही 70, 80 और 90 किग्रा के दायरे में आने वाले वर्गों में भी बदलाव किया जाएगा। पुरुष वर्ग में प्रस्तावित नए भार वर्ग 60 किग्रा, 65 किग्रा, 71 किग्रा, 79 किग्रा, 88 किग्रा, 98 किग्रा, 110 किग्रा और 110 किग्रा से अधिक हैं जबकि पहले 55 किग्रा, 61 किग्रा, 67 किग्रा, 73 किग्रा, 81 किग्रा, 89 किग्रा, 96 किग्रा, 102 किग्रा, 109 किग्रा और 109 किग्रा से अधिक भार वर्ग थे। महिला वर्ग में 45 किग्रा वर्ग को हटा दिया जाएगा और 48 किग्रा का नया वर्ग शुरू किया जाएगा। इसके अलावा 53 किग्रा, 58 किग्रा, 63 किग्रा, 69 किग्रा, 77 किग्रा, 86 किग्रा और 86 किग्रा से अधिक वर्ग होंगे। इसके अलावा 49 किग्रा वर्ग को भी खत्म कर दिया गया है जिसमें भारत की मीराबाई चानू ने 2021 तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीता था।

मनप्रीत सिंह के साथ हॉकी इंडिया लीग में खेलने को लेकर उत्साहित हैं आमिर अली

एजेंसी | नई दिल्ली

अपने आदर्श मनप्रीत सिंह को खेलते हुए देखने के लिए 10 किलोमीटर से ज्यादा पैदल चलने वाले आमिर अली भारतीय टीम के पूर्व कप्तान के साथ हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में एक साथ खेलने को लेकर रोमांचित हैं।

भारतीय जूनियर टीम के कप्तान आमिर तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के कप्तान के साथ एचआईएल में टीम गोनासिका का प्रतिनिधित्व करेंगे। आमिर ने हॉकी इंडिया से जारी विज्ञप्ति में कहा, ''यह सोचना कि मैं एक बार एचआईएल मैच देखने गया था और अब मैं उसका हिस्सा हूं, एक बहुत ही खास एहसास है।''

भारत की 'पहली क्रिकेट पेंटिंग' की होगी नीलामी

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत में क्रिकेट मैच से जुड़ी दुर्लभ तैलीय पेंटिंग नीलामी घर 'एस्टागुरु' के आगामी नीलामी का हिस्सा बनने वाली कलाकृतियों में से एक होगी। ब्रिटिश चित्रकार थॉमस डेनियल द्वारा कैनवास पर उकेरी गयी इस चित्रकारी को भारत में क्रिकेट से जुड़ी पहली पेंटिंग माना जाता है। 'एस्टागुरु' नीलामी घर ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। समझा जाता है कि डेनियल ने 1792-93 के बीच में अपनी मद्रास (चेन्नई) यात्रा के दौरान इस चित्रकारी पर काम किया था। 'भारत में क्रिकेट मैच' शीर्षक वाली पेंटिंग आधुनिक भारत के दिग्गज कलाकारों के चित्रकारी के साथ 14-16 दिसंबर को 'एस्टागुरु' की 'ऐतिहासिक मास्टरपीस' नीलामी का हिस्सा होगी। 'एस्टागुरु' नीलामी घर की वरिष्ठ उपाध्यक्ष स्नेहा गौतम ने कहा, '' थॉमस डेनियल की यह पेंटिंग कला का एक ऐतिहासिक नमूना है जो 18वीं शताब्दी के दौरान भारत के विकसित होते सांस्कृतिक ताने-बाने को दर्शाने के साथ क्रिकेट के प्रति देश में बढ़ती लोकप्रियता का भी जश्न मनाती है। यह खेल आगे चल कर इस देश की पहचान का एक अभिन्न अंग बन गया है।''

क्रिटिक्स चॉइस अवॉर्ड्स 2025

पुरस्कार की दौड़ में शामिल हुई सामंथा रुथ प्रभु की 'सिटाडेल'

वरुण धवन ने 'सिटाडेल: हनी बनी' के जरिए OTT पर कदम रखा था। यह उनकी पहली वेब सीरीज थी, जिसमें न सिर्फ वरुण, बल्कि सामंथा रुथ प्रभु ने भी अपनी दमदार अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत लिया। उधर वरुण और सामंथा की केमिस्ट्री पर भी दर्शकों ने खूब प्यार बरसाया। अब इस सीरीज से एक और उपलब्धि जुड़ गई है। दरअसल, इसे क्रिटिक्स चॉइस अवॉर्ड्स में नामांकन मिला है। सीरीज ने एक खास श्रेणी में अपनी जगह बनाई है।

क्रिटिक्स चॉइस एसोसिएशन (CCA) ने 30वें क्रिटिक्स चॉइस अवॉर्ड्स के लिए नामांकन की सूची जारी कर दी है। इसमें 'शोगन' नाम की अमेरिकी ऐतिहासिक ड्रामा सीरीज को सबसे ज्यादा 6 नामांकन मिले हैं। अगले साल 12 जनवरी को क्रिटिक्स चॉइस अवॉर्ड्स का आयोजन होगा। अमेरिकी स्टैंडअप कॉमेडियन, अभिनेत्री और राइटर चेल्सी हैंडलर इस पुरस्कार समारोह की मेजबानी करेंगी। भारत से वरुण और सामंथा अभिनीत 'सिटाडेलः हनी बनी' ने सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा की श्रेणी में नामांकन हासिल किया है। बेस्ट फॉरेन लैंग्वेज सीरीज में 'सिटाडेल के साथ 'अकापुल्को', 'ला मकीना', 'द लॉ एकॉर्डिंग टू लिडिया पोएट', 'माय ब्रिलिएंट फ्रेंड' और 'स्क्विड गेम' को भी नामाकंन मिला है। बता दें कि सोशल मीडिया पर सीरीज के नामांकन की खबर से वरुण और सामंथा के प्रशंसक सातवें आसमान पर हैं और उन्हें उम्मीद है कि यह सीरीज क्रिटिक्स चॉइस अवॉर्ड जीतकर दुनियाभर में अपनी सफलता का परचम लहराएगी और विदेशों में भी भारत का नाम रोशन करेगी।

'शोगन' को मिले सबसे ज्यादा नामांकन

इस पुरस्कार समारोह में वेब सीरीज 'शोगन' को सबसे ज्यादा 6 नामांकन मिले हैं। बता दें कि यह सीरीज पहले ही 4 एमी अवॉर्ड अपने नाम कर चुकी है। यह जॉन ब्लैकथॉर्न नाम के एक अंग्रेज नाविक की कहानी है, जो एक समुराई बन जाता है। इस अमेरिकी ऐतिहासिक ड्रामा सीरीज को राहेल कोंडो और जस्टिन मार्क्स ने बनाया है। भारत में यह सीरीज OTT प्लेटफॉर्म डिज्नी+हॉटस्टार पर अंग्रेजी में उपलब्ध है।

आमिर खान का महिला विरोधी फिल्मों पर तंज

आमिर खान फिल्म 'लापता लेडीज' को लेकर चर्चा में हैं और हों भी क्यों ना, उनकी यह फिल्म ऑस्कर तक जो पहुंच गई है। हालांकि, यह पहला मौका नहीं, जब उनकी किसी फिल्म को ऑस्कर में जगह मिली हो। उनकी फिल्म 'लापता लेडीज' पितृसत्तात्मक सोच पर प्रहार करती है। हाल ही में आमिर ने चिंता जाहिर कि भले ही समाज में बहुत कुछ बदल गया हो, लेकिन अब भी हम एक पुरुष प्रधान समाज में ही रह रहे हैं।

आमिर ने किन फिल्मों पर साधा निशाना?

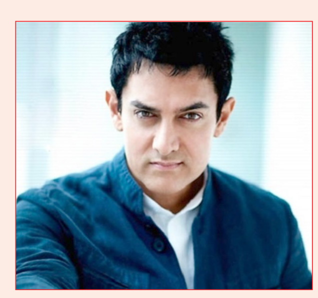

आमिर ने कहा, 'पितृसत्ता को बढ़ावा देने वाली फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया प्रदर्शन कर रही हैं, यह देखकर मुझे बहुत बुरा लगता है। यह हमारे समाज के लिए कोई अच्छा चलन नहीं है। यह सिर्फ और सिर्फ हमारे समाज में कुछ लोगों की पितृसत्तात्मक मानसिकता को दर्शाता है। यह अच्छा नहीं है। ये तो हमें फिर एक दशक पीछे धकेल रहा है। लिहाजा इस चलन से मन दुखी होता है।' आमिर बोले, 'काश हमने यह न देखा होता, लेकिन ये जीवन का हिस्सा है। सबकी अपनी-अपनी राय होती है। बहुत से लोग पितृसत्ता का पुरजोर तरीके से समर्थन करते हैं और कई गुपचुप तरीके से इसका समर्थन करते हैं तो यह कुछ ऐसा है, जिससे हमें निपटना होगा। पुरुष प्रधान मानसिकता वाले लोग आज भी हमारे समाज में मौजूद हैं। यह सोच इतनी गहराई से जड़ें जमा चुकी है कि कुछ पुरुष, महिलाओं की स्वतंत्रता पर हावी हो जाते हैं।' बातचीत में आमिर आगे कहते हैं, 'ये दकियानूसी सोच रातों-रात खत्म नहीं हो जाएगी। ये गहरी जड़ें जमा चुकी हैं।

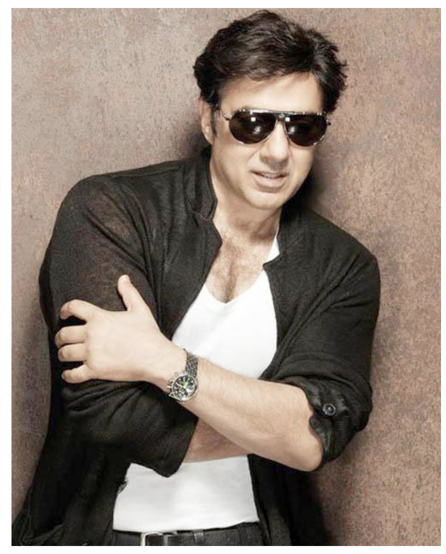

सनी देओल के एक्शन में लगा साउथ का तड़का

सनी देओल का नाम जब भी दर्शकों के जेहन में आता है तो उनका एक्शन ही याद आता है। अपनी एक्शन इमेज से उन्होंने कई बार बाहर आने की कोशिश की, लेकिन दर्शक सनी देओल को इसी रूप में देखना चाहते हैं। दर्शकों की इसी डिमांड को सनी देओल फिल्म 'जाट' में पूरा कर रहे हैं। हालिया रिलीज हुए इस फिल्म के टीजर में सनी देओल दमदार एक्शन करते हुए नजर आ रहे हैं। फिल्म 'जाट' के टीजर में सनी देओल की एंट्री बड़े ही दमदार तरीके से होती है।

वह पहले एक जेल में जंजीरों में कैद नजर आते हैं, फिर उनका एक्शन सींस दिखाया जाता है। साथ ही वह एक जगह पंखा उखाड़ते हुए भी दिखे हैं। इसके अलावा बैकग्राउंड में सनी देओल के किरदार के बारे में काफी कुछ बताया जाता है। कैसे वह अब तक कई लोगों की हजारों हड्डियां तोड़ चुका है। आगे के दृश्यों में भी सनी कई लोगों से फाइट करते हुए दिखते हैं। साथ ही वह एक डायलॉग भी कहते हैं- 'मैं जाट हूं, सर कटने के बाद भी हाथ से हथियार नहीं छोड़ता।' यह डायलॉग आने वाले दिनों में सोशल मीडिया पर वायरल होने की पूरी गुंजाइश रखता है।

न्यूज़ ब्रीफ

नगालैंड में 34 करोड़ रुपए के ड्रग्स नष्ट

दीमापुर। नगालैंड पुलिस ने दीमापुर में 34 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की नशीली दवाओं को नष्ट किया है। एक अधिकारी ने बताया कि ड्रग्स डिस्पोजल कमेटी (डीडीसी) ने गुरुवार को दीमापुर नगर परिषद के डंपिंग ग्राउंड में जब्त किए गए मादक पदार्थों को नष्ट किया। नष्ट की गई दवाओं में ब्राउन शुगर और हेरोइन, क्रिस्टल मेथ और अफीम स्ट्रॉ शामिल हैं। अधिकारी ने कहा, ये प्रतिबंधित दवाएं सीपी दीमापुर के तहत पुलिस स्टेशनों में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985 के तहत दर्ज 79 मामलों में जब्त की गई थीं। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में नष्ट किया गया।

इंफाल पश्चिम में प्रतिबंधित संगठन के चार सदस्य गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने जबरन वसूली गतिविधियों और अवैध हथियार रखने के आरोप में इंफाल पश्चिम जिले से एक प्रतिबंधित संगठन के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस और सीआरपीएफ के एक संयुक्त दल ने गुरुवार को फायेंग इलाके में तलाशी अभियान के दौरान कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वार ग्रुप) के तीन सदस्यों को पकड़ा। उनके कब्जे से एक देसी पिस्तौल और गोला-बारूद बरामद किया गया। उन्होंने कहा कि ये जबरन वसूली गतिविधियों में शामिल थे। कांगचुप में उनके ठिकानों की तलाशी के दौरान अवैध हथियार बनाने की एक वर्कशॉप का भी पता चला।

सुनीत मेहता फिजी में भारत के अगले उच्चायुक्त नियुक्त

नई दिल्ली। भारतीय विदेश सेवा अधिकारी सुनीत मेहता को फिजी में भारत के अगले उच्चायुक्त के रूप में नियुक्त किया गया है। मेहता 2007 बैच के भारतीय विदेश सेवा अधिकारी हैं। वे वर्तमान में कैनबरा स्थित भारतीय उच्चायोग में उप उच्चायुक्त के पद पर कार्यरत हैं। विदेश मंत्रालय की ओर से बताया गया है कि सुनीत मेहता वर्तमान में कैनबरा स्थित भारतीय उच्चायोग में उप उच्चायुक्त के पद पर कार्यरत हैं।

फर्जी ईडी अफसर बन छापा मारने वाले 12 गिरफ्तार

गुजरात। गुजरात के गांधीधाम स्थित राधिका ज्वैलर्स पर फिल्मी स्टाइल में फर्जी प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी बनकर छापे मारने के आरोप में 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया। छापे के दौरान आरोपियों ने 22.25 लाख की नकदी और आभूषण चुराए थे। आरोपियों की पहचान भरत मोरवाडिया, देवायत खाचर, अब्दुल सत्तार मंजोथी, हितेश ठक्कर, विनोद चुडासमा, यूजीन डेविड, आशीष मिश्रा, चंद्रराज नायर, अजय दबे, अमित मेहता, उसकी पत्नी निशा मेहता और शैलेन्द्र देसाई के रूप में हुई।

पीएम ने किया अष्टलक्ष्मी महोत्सव का उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्ली के भारत मंडपम में तीन दिवसीय अष्टलक्ष्मी महोत्सव का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली आज पूर्वोत्तर मय हो गई है। पूर्वोत्तर के विविध रंग राष्ट्रीय राजधानी में एक सुंदर इंद्रधनुष बना रहे हैं। पहले अष्टलक्ष्मी महोत्सव में तीन दिन तक पूर्वोत्तर का सामर्थ्य पूरा देश और विश्व देखेगा। यहां व्यापार-कारोबार से जुड़े समझौते होंगे। पूर्वोत्तर के उत्पादों से दुनिया परिचित होगी।

सिंघवी की सीट से मिला 50 हजार कैश

सभापति ने बताया तो खड़गे बोले- नाम लेना ठीक नहीं, भाजपा बोली- जांच हो

एजेंसी | नई दिल्ली

राज्यसभा में 500 रुपए का बंडल (50 हजार रुपए) मिलने पर शुक्रवार को राज्यसभा में जमकर हंगामा हुआ। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी की सीट से नोटों की गड्डी मिली थी। भाजपा ने जांच की मांग की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- जांच से पहले किसी का नाम लेना ठीक नहीं है। धनखड़ ने कहा कि, 'कल (गुरुवार) सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद सुरक्षा अधिकारियों ने हमें जानकारी दी कि सीट नंबर 222 से कैश मिला है। यह सीट तेलंगाना से सांसद अभिषेक मनु सिंघवी को अलॉट की गई है। इस मामले में नियमों के मुताबिक जांच होनी चाहिए और यह हो भी रही है।' धनखड़ के बयान पर मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, 'मैं अनुरोध करता हूं कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती और घटना की प्रामाणिकता स्थापित नहीं होती, तब तक किसी सदस्य का नाम नहीं लिया जाना चाहिए। ऐसा चिल्लर काम करके ही देश को बदनाम किया जा रहा है।'

कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी की सफाई...

किरेन रिजिजू बोले- क्या सदन में नोट का बंडल लाना उचित है संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, 'रूटीन प्रोटोकॉल के मुताबिक एंटी-सैबोटाज टीम ने संसद की कार्यवाही खत्म होने और सदन को बंद करने से पहले सीटों की जांच की थी। इसी दौरान नोट का बंडल मिला। इस पर आपत्ति क्यों होनी चाहिए कि अध्यक्ष सदस्य का नाम न लें। अध्यक्ष ने सही तरीके से उस सीट नंबर और उस सीट पर बैठे सदस्य का नाम बताया। इसमें क्या गलत है? जांच होनी चाहिए।' भाजपा प्रवक्ता और सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि, 'कांग्रेस नेताओं के पास इतना पैसा है कि वे संसद में बेंच पर बचे हुए पैसे का हिसाब लेने की भी जहमत नहीं उठाते। कांग्रेस, जो हर चीज पर सवाल उठाती थी, आज संसद से बरामद मामले का हिसाब देने से इनकार कर रही है।'

भाजपा अध्यक्ष नड्डा बोले- दूध का दूध, पानी का पानी होना चाहिए

कांग्रेस ने कहा- अडाणी मुद्दे से ध्यान हटाने की साजिश कांग्रेस सूत्रों ने कहा कि पार्टी नेता अभिषेक मनु सिंघवी की बेंच से बरामद नोट अडानी मुद्दे से ध्यान भटकाने की साजिश है। अगर कोई जेब में 50,000 रुपए रखता है तो यह कोई अपराध नहीं है। कांग्रेस नेताओं ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धाकड़ से मुलाकात की है और इस मामले की किसी एजेंसी से जांच कराने या यहां तक कि इसमें जेपीसी गठित करने का अनुरोध किया है।

सुप्रीम कोर्ट का ड्रग्स के आरोपी को जमानत से इनकार

नार्कोस-ब्रेकिंग बैड वेब सीरीज का हवाला दिया

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को ड्रग्स के मामले के आरोपी को जमानत देने से इनकार कर दिया। इसके लिए जस्टिस बेला त्रिवेदी और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने 'नार्कोस' और 'ब्रेकिंग बैड' वेब सीरीज का हवाला दिया।

ड्रग्स सिंडिकेट युवाओं को मार रहे हैं : कोर्ट

सुनवाई में क्या हुआ?

सुनवाई के दौरान आरोपी के वकील ने बेंच से कहा- नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्स्टांसेस एक्ट (NDPS) के मामले में गिरफ्तार व्यक्ति समाज के लिए कोई बड़ा खतरा नहीं है, उसकी गिरफ्तारी गलत है। इस पर बेंच ने कहा- इस तरह के ड्रग्स सिंडिकेट देश के युवाओं को मार रहे हैं। जस्टिस शर्मा ने कहा, 'मैं आपसे (आरोपी के वकील) पूछता हूं, आपने नार्कोस देखी होगी? बहुत मजबूत सिंडिकेट, शायद ही कभी पकड़ा जाता है। एक और फिल्म जो जरूर देखनी चाहिए, वो ब्रेकिंग बैड। आप इन लोगों से नहीं लड़ सकते जो सचमुच इस देश के युवाओं को मार रहे हैं।'

क्या है मामला?

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 4 अक्टूबर के दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ की गई अपील पर सुनवाई की। जिसमें हाईकोर्ट ने आरोपी को जमानत देने से इनकार किया था। उसे इसी साल अप्रैल में 73.80 ग्राम स्मैक (हेरोइन) के साथ पकड़ा गया था।

सूरत में 14 फर्जी डॉक्टर गिरफ्तार

- ₹70 हजार में डिग्री देने वाले गिरोह का भंडाफोड़
- 8वीं पास भी इलाज कर रहा था

एजेंसी | सूरत

गुजरात पुलिस ने सूरत से डॉक्टरी की फर्जी डिग्री देने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। यह गिरोह पिछले 32 साल से कम पढ़े-लिखे बेरोजगारों को 70 हजार में फर्जी डिग्रियां देने का काम कर रहा था। रजिस्ट्रेशन रिन्यू करवाने के लिए 5 हजार रुपए फीस भी लेता था। इनमें से एक तो आठवीं पास है। वहीं एक फर्जी डॉक्टर शमीम अंसारी भी शामिल है, जिसके गलत इलाज की वजह से कुछ दिन पहले एक बच्ची की मौत हो गई थी। इस मामले में अब तक कुल 13 लोगों को गिरफ्तार किया है।

1200 लोगों को फर्जी डॉक्टरी सर्टिफिकेट दे चुका है आरोपी

गिरोह के 2 मुख्य आरोपी डॉ. रमेश गुजराती और बीके रावत के पास से पुलिस को सैकड़ों एप्लिकेशन और सर्टिफिकेट मिले हैं। यह गिरोह अब तक 1200 लोगों को फर्जी डॉक्टरी सर्टिफिकेट दे चुका था। पुलिस ने खबर मिलने पर पांडेसरा में 3 क्लिनिक पर छापा मारा। जहां इनके पास से बैचलर ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिसिन एंड सर्जरी के सर्टिफिकेट मिले, जिन्हें सूरत के ही 2 डॉक्टरों ने जारी किया था। इनकी जांच करने पर पता चला कि जो सर्टिफिकेट इन्हें दिया गया था, वह गुजरात सरकार से मान्यता प्राप्त नहीं है। पुलिस के साथ छापा मारने गई टीम ने भी कहा कि डिग्री फर्जी है।

मुख्य आरोपी ने 1990 में की थी इलेक्ट्रो होम्योपैथी की पढ़ाई

पकड़े गए आरोपी डॉ. रमेश गुजराती ने पुलिस के सामने कबूल किया कि उसने 1990 के दशक में BHMS की पढ़ाई की थी। वह कई ट्रस्ट में वक्ता के तौर पर काम करता रहा, लेकिन जब इससे ज्यादा मुनाफा नहीं हुआ तो उसने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के क्षेत्र में कदम रखा। उसने यह गिरोह इसलिए शुरू किया क्योंकि भारत सरकार या राज्य सरकार ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए कोई नियम लागू नहीं किए हैं। गुजराती ने 2002 में गोपीपुरा इलाके में एक कॉलेज शुरू किया था, लेकिन छात्रों की कमी के कारण कॉलेज बंद हो गया। इसके बाद उसने रावत के साथ मिलकर डिग्रियां बेचने का धंधा शुरू कर दिया।

रजिस्ट्रेशन वाली वेबसाइट भी फर्जी

रमेश गुजराती को पता चला कि भारत में इलेक्ट्रो-होम्योपैथी के लिए कोई नियम-कानून नहीं हैं। इसके बाद उसने इसी कोर्स में डिग्री देने के लिए एक बोर्ड बनाने की प्लानिंग की। इसके लिए उसने पांच लोगों को काम पर रखा। उन्हें इलेक्ट्रो-होम्योपैथी में ट्रेनिंग दी। 3 की जगह 2 साल में ही डिग्री पूरी करवाकर उन्हें इलेक्ट्रो-होम्योपैथी दवाएं लिखने की ट्रेनिंग दी। इन्होंने 70 हजार रुपए दिए इसके बाद 15 दिन के अंदर ही उन्हें सर्टिफिकेट दे दिए गए। इनका रजिस्ट्रेशन करने वाली वेबसाइट भी फर्जी थी।

बेंगलुरु में लिंगायत संत की मूर्ति तोड़ी

CCTV फुटेज से पकड़ में आया आरोपी

एजेंसी | बेंगलुरु

बेंगलुरु में पार्सल डिलीवरी करने वाले एक युवक ने लिंगायत संत शिवकुमार स्वामी की मूर्ति खंडित कर दी। उसने मूर्ति के सिर पर बड़ा छेद कर दिया। मूर्ति तोड़ने वाले 37 साल के श्रीकृष्णा ने बताया कि मेरे सपने में जीसस क्राइस्ट आए थे, उन्होंने मूर्ति तोड़ने के लिए कहा। इलाके के लोगों को जब मूर्ति टूटने का पता चला तो उन्होंने तुरंत पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने CCTV फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की और उसे गिरफ्तार किया।

पार्सल डिलीवर करने गया था युवक : मूर्ति तोड़ने वाला युवक 30 नवंबर को वीरभद्र नगर में रात 1:30 बजे पार्सल की डिलीवरी करने पहुंचा था। यहां उसने एक हथौड़े से शिवकुमार स्वामी की मूर्ति तोड़ी। आवाज आने पर आसपास के रेस्टोरेंट वाले बाहर आए। लोगों ने आरोपी को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह भाग निकला। इसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई।

आरोपी की मानसिक जांच कराई

आरोपी को हिरासत में लेने के बाद पुलिस ने उसकी मानसिक जांच कराई। इसकी रिपोर्ट अभी आनी है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया गया है। पुलिस को शक है कि मानसिक संतुलन ठीक न होने के चलते ही उसने मूर्ति तोड़ी। इसमें कोई और उद्देश्य छिपा हुआ नहीं है।

बेंगलुरु के मुख्य पादरी ने आरोपी की सफाई को बेबुनियाद बताया : बेंगलुरु के मुख्य पादरी डॉ. पीटर ने आरोपी के जीसस के कहने पर मूर्ति तोड़ने के बयान को बेबुनियाद बताया है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि ऐसे किसी बहकावे में न आएं। ऐसी किसी भी बात का मकसद सिर्फ सांप्रदायिक तनाव पैदा करना है।

पीएम मोदी ने महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. अंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद भवन लॉन में डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। नेताओं ने हमारे संविधान निर्माता को पुष्पांजलि

अर्पित की। सामाजिक न्याय और समानता के लिए उनके योगदान को याद करते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि डॉ. अंबेडकर के अथक प्रयास पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को महापरिनिर्वाण दिवस की 69वीं वर्षगांठ पर भुवनेश्वर में भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार बीआर अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की।

मणिपुर के कुकी संगठन का शाह को लेटर

जिरिबाम एनकाउंटर की जांच की मांग

एजेंसी | मणिपुर

मणिपुर में कुकी समुदाय के इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (ITLF) ने गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लेटर लिखा। इसमें 11 नवंबर को जिरिबाम में CRPF संग मुठभेड़ में मारे गए 10 कुकी लोगों की मौत की न्यायिक जांच की मांग की गई है। ITLF के अध्यक्ष पैगिन हाओकिप और महासचिव मुआन टॉम्बिंग ने CRPF की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाए। जैरावन गांव में आगजनी और 31 साल की महिला की हत्या का भी जिक्र किया। ITLF ने मणिपुर में भारतीय संविधान के तहत कुकी समुदाय के लिए एक अलग प्रशासन की भी मांग दोहराई। मणिपुर में मई 2023 से कुकी और मैतेई समुदाय के बीच जारी हिंसा में अब तक 250 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी, हजारों लोग बेघर हुए हैं।

CRPF पर 4 शवों की आंख निकालने का आरोप लगाया

ITLF ने गृह मंत्री को लिखे लेटर में कहा- 7 नवंबर को महिला का शव मिला था, जिसे बेरहमी से जलाया गया था। इस घटना से अधिक चिंता इस बात की है कि CRPF ने 10 आदिवासियों को मार डाला, जबकि CRPF को एक न्यूट्रल फोर्स के रूप में काम करना था। ITLF का दावा है कि मृतकों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पीछे से गोली मारने की बात सामने आई है। इससे साबित होता है कि जब उन्हें मारा गया तो वे CRPF के साथ मुठभेड़ में शामिल नहीं थे। उन पर घात लगाकर हमला किया गया या पकड़ने के बाद उनकी हत्या कर दी गई। ITLF ने आरोप लगाया कि 4 शवों में से प्रत्येक की एक शव की आंखे गायब थीं। इसका मतलब है कि उनकी आंखें निकाली गई हैं। ITLF का कहना है कि मैतेई लोगों की मांग के बाद असम राइफल्स की जगह CRPF ने ले ली थी, जिसमें CRPF रैंक के कई मैतेई अधिकारियों के होने का दावा किया गया था।

अध्ययन बचाने को करनी होगी कठोर कार्रवाई, वैज्ञानिकों ने किया अलर्ट

2027 तक पिघल जाएगी आर्कटिक की सारी बर्फ

एजेंसी | नई दिल्ली

सफेद बर्फ के लिए मशहूर आर्कटिक महासागर में अगर बर्फ ही नहीं होगी तो सोचो वहां का नजारा कैसा लगेगा। एक अध्ययन में अंदेशा जताया है कि आने वाले पांच से छह सालों में आर्कटिक महासागर से बर्फ खत्म होने लगेगी। नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, आर्कटिक महासागर से 2027 तक सारी बर्फ पिघल सकती है।

अध्ययन से निष्कर्ष

शोध में 11 जलवायु मॉडल और 366 सिमुलेशन का उपयोग करके डेटा का विश्लेषण किया गया। इन मॉडलों से पता चला कि कम उत्सर्जन के परिदृश्यों के तहत भी, संभवतः 2030 के दशक के भीतर आर्कटिक को बर्फ-मुक्त दिन का सामना करना पड़ेगा। सबसे चरम सिमुलेशन में, यह तीन से छह साल की शुरुआत में हो सकता है। गोथेनबर्ग विश्वविद्यालय के जलवायु विज्ञान शोधकर्ता और अध्ययन के प्रमुख लेखक डॉ. सेलीन ह्यूज़े ने एक बयान में उन घटनाओं को समझने के महत्व पर जोर दिया जो इस तरह के अभूतपूर्व पिघलने को ट्रिगर कर सकते हैं।

करनी होगी कठोर कार्रवाई

शोधकर्ताओं ने कहा है कि अगर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए कठोर कार्रवाई नहीं की गई तो 20 सालों के अंदर हम बहुत बड़ी पर्यावरणीय क्षति होते हुए देखेंगे। जलवायु विज्ञानियों द्वारा किए गए अध्ययन में इस घटना की संभावित समयसीमा की भविष्यवाणी करने के लिए उन्नत सिमुलेशन का उपयोग किया गया है, जो क्षेत्र पर जलवायु परिवर्तन के तेजी से बढ़ते प्रभावों को उजागर करता है।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले के दोषी को मौत की सजा

एजेंसी | दक्षिण 24 परगना

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के जयनगर में 10 साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या मामले में बरुईपुर की पॉक्सो अदालत ने दोषी युवक को मौत की सजा सुनाई है। अदालत ने महज 62 दिन में यह फैसला सुनाया। अदालत के फैसले की पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सराहना की है। सीएम ममता बनर्जी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि चार अक्तूबर को जयनगर में नाबालिग के साथ हुए क्रूर बलात्कार और हत्या के मामले में आरोपी को बरुईपुर की पॉक्सो अदालत ने 62 दिनों के भीतर ही मौत की सजा सुनाई है। ऐसे मामले में महज दो महीने के भीतर दोषसिद्धि और मृत्युदंड राज्य के इतिहास में अभूतपूर्व है। मैं इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए राज्य पुलिस और अभियोजन प्रक्रिया में शामिल सभी लोगों को बधाई देती हूं। सरकार महिलाओं के खिलाफ अपराधों के प्रति शून्य सहिष्णुता रखती है और यह सुनिश्चित करना जारी रखेगी कि न्याय में न तो देरी हो और न ही न्याय से वंचित किया जाए।

दुष्कर्म के बाद की गई थी बच्ची की हत्या

दक्षिण 24 परगना जिले में 10 साल की बच्ची का कथित तौर पर दुष्कर्म और हत्या कर दी गई थी। चार अक्तूबर को कक्षा चार की छात्रा ट्यूशन पढ़ने गई थी। जब बच्ची रात आठ बजे तक घर नहीं लौटी तो परिवार ने सब जगह तलाश की। बच्ची का जब कुछ पता नहीं लगा तो पुलिस को शिकायत दी गई। बाद में उसका शव नहर से मिला था। कथित तौर पर बच्ची का दुष्कर्म करने के बाद उसकी हत्या कर दी गई थी। मामले में पुलिस ने आरोपी मुस्तकिन सरदार को गिरफ्तार किया था।